आश्विन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा/कार्तिक कृष्ण पक्ष संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 96 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

भोपाल
09 अक्टूबर 2025
गुरुवार

आज का मौसम
29 अधिकतम
19 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

देश की सर्वोच्च अदालत में जूते फेंकने की कोशिश को क्या माना जाए?

देश की सुप्रीम अदालत में चीफ जस्टिस बीआर गवई पर एक 71 वर्षीय वकील राकेश किशोर व्दारा स्पोर्ट्स शू फेंकने की कोशिश से उपजे विवाद का तो एक तरह से पटाक्षेप हो गया है। खासतौर से तब जब उन्होंने खुद दरियादिली दिखाते हुए आरोपी वकील पर किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई न करने की बात कह दी । साथ ही उन्होंने जब यह साफ कर दिया कि वह सभी धर्मों का समान रूप से सम्मान करते हैं। उनके इस बयान के बाद कांग्रेस सहित उन विपक्षी नेताओं को भी झटका लगा है जो सनातन धर्म की रक्षा के नाम पर देश के सर्वोच्च न्याधीश के अपमान को ढाल बनाकर भाजपा और सनातन को दलित विरोधी करार देने की कोशिश कर रहे थे। आरोपी वकील राकेश किशोरे के इस बयान के बाद तो विवाद का कोई विषय ही नहीं रह जाता कि वे कोई पांडे, तिवारी या जायसवाल नहीं बल्कि खुद दलित हैं।

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

इस पूरे विवाद की जड़ में राकेश दलाल की वह याचिका है जिसमें उन्होंने विश्व धरोहर में शामिल खजुराहो मंदिर परिसर में स्थित जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की 7 फुट ऊंची कंडित प्रतिमा को दोबारा स्थापित करने की मांग की थी। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस गवई और जस्टिस आगस्टीन जार्ज की अदालत ने 16 सितंबर को इसे यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि खजुराहो मंदिर परिसर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग(एएसआई)के अधीन है। इसलिए अदालत इस मामले में कोई दखल नहीं दे सकती। दलाल की ओर से वरिष्ठ वकील संजय नुली ने याचिका में दावा किया था कि मुगल काल के दौरान हुए आक्रमणों के दौरान भगवान विष्णु की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त करते हुए उनके सिर को धड़ से अलग कर दिया गया था। सरकार से इसकी पुनर्प्रतिष्ठा को लेकर बार-बार अनुरोध के बावजूद कोई कदम नहीं उठाया गया। याचिका के मुताबिक इसे बुंदेलखंड के चंद्रवंशी राजाओं की तरफ से खजुराहो मंदिरों के परिसर में बनवाया गया था। जिसे मुगलों ने तोड़ा और अंग्रेजी हुकुमत के दौरान भी इसकी उपेक्षा की गई। स्वतंत्रता के बाद की सरकारी निष्क्रियता के चलते आजादी के 77 साल बाद भी मूर्ति के पुनर्निर्माण की तो छोड़िए इसकी मरम्मत तक नहीं की गई। जस्टिस व्दय ने यह कहते हुए इसे खारिज किया कि खजुराहो मंदिर परिसर कोर्ट के दायरे से बाहर है और एएसआई के क्षेत्राधिकार में आता है।

यहां तक तो ठीक था, लेकिन सोशल मीडिया पर मामले ने तूल तब पकड़ा जब बार एंड बेंच की रिपोर्ट में मुताबिक बताया गया कि सीजेआई बीआर गवई ने याचिकाकर्ता से कहा कि यह याचिका प्रचार (पब्लिसिटी) पाने के लिए की गई है। यदि खुद को इतना ही भगवान का भक्त मानते हो तो देवता से ही कुछ करने के लिए कहो। तुम कहते हो कि तुम भगवान विष्णु के कट्टर भक्त हो। तो जाओ और अभी प्रार्थना करो। यह एक पुरातात्विक स्थल है और एएसआई को अनुमति देनी होगी। माफ करना। इसके बाद यह मामला सोशल मीडियों में उछ्ला लेकिन बवाल के हालात उस वक्त और बढ़े डब जब 6 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट के उम्रदराज वकील राकेश किशोर ने सीजेआई की कोर्ट में चलते मामले के दौरान जस्टिस गवई की ओर जूता उछालने का प्रयास किया। साथ ही कहा कि देश नहीं सहेगा सनातन धर्म का अपमान। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने तुरंत वकील को धर दबोचा लेकिन जस्टिस गवई ने उनके खिलाफ किसी भी तरह की कानूनी कार्रवाई नहीं करने के निर्देश देते हुए साफ कर दिया कि उनका इरादा किसी भी धर्म का अपमान करने का नहीं था। इस मामले में केंद्र सरकार के वकील सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि कि चीफ जस्टिस गवई हर धर्म से जुड़े स्थान पर जाते हैं। लेकिन अब इस एक्शन की सोशल मीडिया पर अनुचित रिएक्शन भी ठीक नहीं। याचिकाकर्ता के वकील संजय नुली ने भी गलत सोशल मीडिया पोस्ट पर गंभीर चिंता व्यक्त की। बहरहाल इस विवाद का यहीं पटाक्षेप होना चाहिए और किसी को भी इस आग में घी डालने का हक नहीं है।

अपनी बात पर अब भी कायम हैं किशोर

भाजपा से लेकर विश्व हिंदु परिषद तक ने इस मामले को तूल न देने की सलाह देते हुए न्यायपालिका के सम्मान की अपील की है। लेकिन जूता फेंकने का प्रयास करने वाले वकील राकेश किशोर को अपने कृत्य पर अभी भी कोई पछतावा नहीं है। देश की एक बड़ी न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में किशोर ने कहा कि वह खजुराहो के जवारी मंदिर में भगवान विष्णु की संरचना की बहाली की मांग वाली याचिका को खारिज करते हुए की गई सीजेआई की टिप्पणी से आहत हैं। उन्होंने कहा कि जिस चीफ जस्टिस को उनके दलित समाज से जोडक़र सनातन धर्म के खिलाफ जो लोग टिप्पणी कर रहे हैं , उन्हें नहीं पता कि वे खुद कोई पांडे, तिवारी या जायसवाल नहीं बल्कि दलित समाज से हैं। किशोर का कहना है कि जब दूसरे धर्मों के खिलाफ मामले आते हैं, जैसे हल्द्वानी में रेलवे की जमीन पर एक समुदाय विशेष के कब्जे की बात। जब इसे हटाने की कोशिश की गई, तो सुप्रीम कोर्ट ने तीन साल पहले इस पर रोक लगा दी। भाजपा प्रवक्ता नूपुर शर्मा के मामले में भी कोर्ट ने कहा कि आपने माहौल खराब कर दिया है। किशोर का दावा है कि जब भी सनातन धर्म से जुड़े मामले आते हैं, ऐसा ही होता है। चाहे वह जल्लीकट्टू हो या दही हांडी की ऊंचाई, सुप्रीम कोर्ट के आदेशों ने उन्हें आहत किया है। उन्होंने दावा किया कि मैं हिंसा के खिलाफ हूं। लेकिन आपको (चीफ जस्टिस) को सोचना चाहिए कि एक आम आदमी ने जिसका किसी से कोई लेना-देना नही, उसने ऐसा कदम क्यों उठाया? मैं किसी नशे में था। यह हरकत पर मेरी यहीप्रतिक्रिया थी। किशोर ने राज्य सरकारों द्वारा बुलडोजर के इस्तेमाल संबंधी के फैसले के लिए भी न्यायमूर्ति गवई की आलोचना की। राकेश किशोर सवाल पूछा कि क्या बरेली में सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों पर योगी जी का बुलडोजर चलाना गलत था?

न्यूज विंडो

19 साल की उम्र में सीईओ बना मुंबई का ध्रव्य शाह

मुंबई, एजेंसी। मुंबई की 19 वर्षीय ध्रव्य शाह ने ऐसी उपलब्धि हासिल की है जिसने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। ध्रव्य न सिर्फ एक एआई स्टार्टअप की सीईओ हैं, बल्कि उन्होंने सिलिकॉन वैली के बड़े तकनीकी दिग्गजों का दिल भी जीत लिया है। उनका स्टार्टअप 'सुपरमेमोरी' हाल ही में 30 लाख डॉलर की शुरुआती फंडिंग जुटाने में सफल रहा है। खास बात यह है कि इस फंडिंग को गूगल के एआई प्रमुख जेफ डीन और डीपमाइंड के लोगन किलपैट्रिक जैसे बड़े नामों का समर्थन प्राप्त हुआ है। इतनी कम उम्र में यह सफलता ध्रव्य शाह को अलग ही मुकाम पर खड़ा कर देती है।

ऑक्सफोर्ड नंबर 1 विश्वविद्यालय टॉप 100 में भारत का कोई नहीं

वॉशिंगटन, एजेंसी। टाइम्स हायर एजुकेशन (टीएचई) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग 2026 जारी कर दी गई है और एक बार फिर ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय दुनिया का टॉप विश्वविद्यालय बना है। लगातार दसवें साल ऑक्सफोर्ड ने यह प्रतिष्ठित स्थान हासिल किया है। रैंकिंग में चीन की सिंघुआ यूनिवर्सिटी तीसरे साल लगातार 12वें स्थान पर रही, जबकि पेकिंग यूनिवर्सिटी 13वें स्थान पर रही। खास बात यह है कि इस बार टॉप 100 में एक भी भारतीय विश्वविद्यालय शामिल नहीं है। 14 साल में पहली बार एशिया के विश्वविद्यालयों के प्रदर्शन में गिरावट देखी गई है। भारतीय विश्वविद्यालय शीर्ष 100 में नहीं हैं।

28 अवैध बांग्लादेशियों को दिल्ली पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस ने 28 अवैध बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया है। ये सभी बिना किसी वैध दस्तावेज के भारत में रह रहे थे। इन सभी को दिल्ली के विभिन्न इलाकों से पकड़ा गया है। अब इन्हें कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद वापस उनके देश भेजने की तैयारी की जा रही है। दक्षिण-पूर्वी जिले की बांग्लादेशी सेल ने बड़ी कार्रवाई की है। दिल्ली पुलिस का कहना है कि यह कार्रवाई राजधानी को सुरक्षित रखने और अवैध रूप से बसे विदेशी तत्वों पर नियंत्रण के व्यापक अभियान का हिस्सा है। आने वाले दिनों में अन्य इलाकों में भी इस तरह की छापेमारी की जाएगी। पूछताछ में खुलासा हुआ है कि ये सभी कई अन्य अज्ञात व्यक्तियों के साथ पश्चिम बंगाल की खुलना सीमा के रास्ते अवैध रूप से भारत में दाखिल हुए थे। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि इनमें से किसी के पास न तो वैध यात्रा दस्तावेज थे और न ही निवास से संबंधित कोई अनुमति।

आज का कार्टून

पीडब्ल्यूडी के पूर्व चीफ इंजीनियर जेपी मेहरा के ठिकानों पर लोकायुक्त का छापा

अकूत संपत्ति के दस्तावेज, काली कमाई ठिकाने लगाने का अंदेशा

भोपाल, दोपहर मेट्रो

भोपाल में पीडब्ल्यूडी (लोक निर्माण विभाग) के पूर्व चीफ इंजीनियर जेपी मेहरा के भोपाल के मन्नीपुरम स्थित आवास सहित चार ठिकानों पर आज सुबह लोकायुक्त की टीम ने छापा मारा। यह कार्रवाई भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के तहत की गई है। मेहरा पर अपने कार्यकाल के दौरान विभागीय ठेकों और निर्माण कार्यों में गड़बड़ियों के आरोप हैं। छापे के दौरान अधिकारियों को बड़ी संख्या में दस्तावेज मिले हैं, जिनमें प्रॉपर्टी से संबंधित कागजात शामिल हैं। भोपाल सहित आसपास के जिलों के अलावा मुंबई में खरीदी गई संपत्तियों से जुड़ी जानकारी भी सामने आई है। मेहरा इसी साल फरवरी में रिटायर हुए थे।

जानकारी के अनुसार मेहरा के कार्यकाल के दौरान उन पर अनेक बार आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने को लेकर आरोप लगे थे। इन शिकायतों की वजह से ही वे लंबे समय से लोकायुक्त कार्यालय के रडार पर थे। सूत्रों ने बताया कि सुबह शुरू हुई छापे की कार्यवाही में अब तक लोकायुक्त टीम को कुछ बड़े टेण्डर और प्रॉपर्टी से जुड़े दस्तावेज मिले हैं। इनमें बाबई के पास सेमरी हरचंद में खरीदी गई जमीन के कागजात भी शामिल हैं। इस जमीन पर ऑर्गेनिक सब्जी और अनाज की खेती की जाती थी। शिकायत है कि काली कमाई को खेती की उपज से बताकर सफेद करने का खेल चल रहा था। इसके अलावा मुंबई में खरीदी गई संपत्तियों का भी पता चला है।

जेपी मेहरा का मकान जहां लोकायुक्त छापे की कार्यवाही जारी है। (इनसेट में जेपी मेहरा)

नियम ताक पर... चहेती फर्मों को फायदा

मेहरा पर मध्य प्रदेश वेयरहाउसिंग एंड लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन (एमपीडब्ल्यूएलसी) में कार्य के दौरान सड़क, साइनेज के टेंडर को लेकर भी गंभीर गड़बड़ियों के आरोप लगे हैं। आरोप है कि नियमों को ताक पर रखकर अपनी चहेती फर्मों को फायदा पहुंचाने के लिए पात्रता की मूल शर्तें पूरी न करने के बावजूद उन्हें क्वालिफाई कर दिया गया। इससे टेंडर प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल खड़े हुए। इस मामले की भी वरिष्ठ अधिकारियों को भी शिकायतें की गई थीं। फिलहाल लोकायुक्त की टीम अलग-अलग स्थानों पर दस्तावेजों की पड़ताल में जुटी हुई है। जांच के बाद बड़ा खुलासा होने की संभावना जताई जा रही है।

पूरे कॅरियर में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी ... विवादों से नाता

जेपी मेहरा विभाग के भवन विकास निगम और सड़क विकास निगम में प्रमुख भूमिकाओं में कार्यरत रहे हैं। विभाग में उनकी लंबी सेवा के दौरान सड़क निर्माण, भवन विकास और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी संभाली गई। हालांकि, हाल के वर्षों में उनके खिलाफ भ्रष्टाचार और अनियमितताओं के गंभीर आरोप लगे जिससे वे विवादों के केंद्र में रहे। विभाग में सड़क निर्माण, डिजाइन में बदलाव और गुणवत्ता रहित कार्यों से जुड़ी शिकायतें वर्षों से लंबित हैं। 15 इंजीनियरों के खिलाफ चल रहे करप्शन केस में उनका नाम प्रमुख है, जहां जांच की धीमी गति का फायदा उठाकर मामले लटकाए जा रहे हैं।

पीडब्ल्यूडी के रोड डेवलपमेंट कार्पोरेशन में उनकी भूमिका के दौरान डिजाइन में बदलाव और अनियमित भुगतान के आरोप लगे। इसके अलावा, विभाग की कुल पुरानी शिकायतें ईओडब्ल्यू (आर्थिक अपराध शाखा) और लोकायुक्त में लंबित हैं जो सड़क निर्माण की खराब गुणवत्ता, फर्जी बिलिंग और ठेकेदारों से मिलीभगत से जुड़ी हैं। मेहरा ने पारिवारिक जीवन में दो शादियां कीं। पहली शादी निर्माण विभाग के वरिष्ठ अभियंता की बहन से जबकि दूसरी एक नर्स से की थी।

श्रीसन फार्मा का फरार डायरेक्टर गिरफ्तार

चेन्नई से पकड़ाया रंगनाथन सिरप ने ली एक और जान

भोपाल, दोपहर मेट्रो

प्रदेश में बच्चों की मौत का कारण बने कोल्ड्रिफ कफ सिरप बनाने वाली कंपनी श्रीसन फार्मा के डायरेक्टर गोविंदन रंगनाथन को प्रदेश सरकार द्वारा बनाई गई एसआईटी की टीम ने गिरफ्तार कर लिया है। उसे बीती रात चेन्नई में दबिश देकर पकड़ा गया। एसआईटी ने कंपनी से महत्वपूर्ण दस्तावेज, दवाओं के नमूने और प्रोडक्शन रिकॉर्ड भी जब्त किए हैं। रंगनाथन पर 20 हजार रुपए का इनाम था। वह अपनी पत्नी के साथ फरार चल रहा था। उधर, कफ सिरप पीने के बाद किडनी फेल होने से जान गंवाने वाले बच्चों की संख्या बढ़कर 24 हो गई है। बीती रात छिंदवाड़ा की उमरेठ तहसील के पचधार गांव के 3 वर्षीय मयंक सूर्यवंशी ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह 25 सितंबर से नागपुर मेडिकल कॉलेज में भर्ती था।

छिंदवाड़ा एसपी अजय पांडे ने बताया कि एसआईटी, रंगनाथन को चेन्नई कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड मांगेगी। इसके बाद उसे छिंदवाड़ा लाया जाएगा।

केमिकल खरीदी का न बिल, न एंट्री

इस बीच तमिलनाडु डायरेक्टर ऑफ ड्रग्स कंट्रोल की रिपोर्ट में सामने आया है कि यह सिरप नॉन फार्मास्यूटिकल ग्रेड केमिकल से तैयार किया गया था। कंपनी के मालिक ने मौखिक रूप से स्वीकार किया है कि उसने दो बार में प्रोपलीन ग्लायकॉल के 50 किलो के दो बैग खरीदे थे। यानी कंपनी ने 100 किलो जहरीला केमिकल खरीदा था। जांच में इसका न कोई बिल मिला है, न खरीद की एंट्री की गई।

मुख्यमंत्री आज मुंबई में देश-विदेश के निवेशकों से करेंगे सीधा संवाद

भोपाल, दोपहर मेट्रो। प्रदेश में निवेश बढ़ाने के उद्देश्य से राज्य सरकार द्वारा आज मुम्बई में 'इंटरएक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट ऑपर्च्युनिटीज इन पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरिंग एंड वाइट गुड्स' का आयोजन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस सेशन में देश-विदेश के उद्योगपतियों-निवेशकों से संवाद करेंगे।

देश के प्रमुख उद्योग समूहों के साथ सिंगापुर, मैक्सिको, कनाडा और इटली सहित विभिन्न देशों के कॉन्सुल जनरल और व्यापारिक प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। हिंदल्को इंडस्ट्रीज़, वेलस्पन ग्रुप, एलएंडटी, सन फार्मा, रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड, गॉदरेज इंडस्ट्रीज़, अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड, बजाज ग्रुप, आईपीसीए लैब और रेमंड ग्रुप जैसी अग्रणी कंपनियों के प्रतिनिधि भी रहेंगे।

मेट्रो एंकर | वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड फॉर नेचर के साथ खूबसूरत जीवों के संरक्षण पर होगी रिसर्च

जिम कॉर्बेट के जंगल में जुगनू की चमक लौटाने की पहल

रामनगर, एजेंसी

उत्तराखंड के कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में अब रातों को पहले जैसी रोशनी नहीं रही। कभी पेड़ों-झाड़ियों के बीच टिमटिमाते हजारों जुगनू दिखते थे, जो जंगल को सपनों जैसा रोशन कर देते थे। लेकिन अब उनकी संख्या घट गई है। जुगनुओं का गायब होना सिर्फ एक कीट का कम हो जाना नहीं है, यह प्रकृति की धड़कन कमजोर होने जैसा है। लेकिन कॉर्बेट की शांत राते शायद जल्द ही फिर से जुगनुओं की टिमटिमाहट से जगमगा उठेंगी। वर्ल्ड वाइल्ड लाइफ फंड फॉर नेचर (WWF) और कॉर्बेट टाइगर रिजर्व ने मिलकर इन खूबसूरत जीवों के संरक्षण पर एक लॉन्ग टर्म रिसर्च शुरू करने की तैयारी है।

घटते छोटे जीव यानि बीमार धरती

ये छोटे से जीव हमें बताते हैं कि हमारा पर्यावरण कैसा है। जब जुगनू कम होते हैं, तो यह संकेत है कि धरती बीमार हो रही है। उनकी रोशनी सिर्फ अंधेरे को नहीं, बल्कि जीवन की सुंदरता को भी चमक देती है। अगर हम जुगनुओं को बचाएंगे, तो असल में हम अपने जंगलों और आने वाली पीढ़ियों के लिए उम्मीद की एक रोशनी बचाएंगे। बढ़ते प्रदूषण, गाड़ियों की रोशनी, और जंगलों में कटाई ने उनके घर छीन लिए हैं। जुगनू अंधेरे, नमी और शांत माहौल में जीते हैं पर अब इंसानों की दुनिया ने उनके लिए यह सब मुश्किल बना दिया है। जहां यह संख्या कम हो रही है। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला बताते हैं कि एक समय था जब इस क्षेत्र की हरियाली में असंख्य जुगनू अपनी रोशनी से रातों को सजा देते थे। हम इस बदलाव के कारणों को समझने और उन्हें बचाने की दिशा में वैज्ञानिक अध्ययन शुरू करने जा रहे हैं।

नन्हें जीवों को जीवन देने की मुहिम

कंजर्वेशन पार्टनर(WWF), नेहा सिन्हा के अनुसार जुगनू, तितलियां और मधुमक्खियां इकोलॉजी की आत्मा है। इनका गायब होना संकेत है कि प्रकृति असंतुलित हो रही है। कीटनाशकों का बढ़ता इस्तेमाल, मिट्टी की नमी में बदलाव और कृत्रिम रोशनी ने इनके जीवन चक्र को प्रभावित किया है। अब विशेषज्ञों की एक टीम कीट वैज्ञानिको (एंटोमोलॉजिस्ट) के साथ मिलकर यह पता लगाएगी कि कॉर्बेट जैसे संरक्षित क्षेत्र जुगनुओं के लिए फिर से कैसे सुरक्षित और अनुकूल बनाएं जा सकते हैं। अब समय है कि हम इन छोटे पर बेहद अहम जीवों पर ध्यान दें। जहां रात में बहुत अधिक कृत्रिम रोशनी होती है, वहां जुगनू अपनी प्राकृतिक चमक बंद कर देते है, जिससे उनका प्रजनन प्रभावित होता है। जुगनू को नम इलाकों और लंबी घास की जरूरत होती है। खेती और शहरी इलाको में इस्तेमाल हो रहे केमिकल्स और कीटनाशक जुगनू के जीवन-चक्र पर प्रतिकूल असर डाल रहे है।

पुराने शहर के ऐसे हाल: जलभराव से व्यापारी परेशान, नगर निगम बेखबर!

भोपाल। पुराने शहर के अल्पना तिराहे से लेकर भारत टॉकीज तक की सड़कों पर जलभराव की गंभीर समस्या बनी हुई है। दुकानों के सामने और रास्तों पर पानी जमा होने से व्यापारी वर्ग और आम नागरिक दोनों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि लगातार शिकायतों के बावजूद नगर निगम के अधिकारी इस समस्या की अनदेखी कर रहे हैं। सड़कों पर जमा गंदा पानी आने-जाने वालों के लिए मुश्किलें बढ़ा रहा है, वहीं ग्राहकों की आवाजाही कम होने से व्यापार पर भी असर पड़ रहा है। दुकानदारों ने बताया कि बरसात खत्म होने के बाद भी पानी की निकासी नहीं हो रही है। कई जगहों पर नालियां जाम हैं और पानी सड़कों पर फैल गया है। लोगों ने नगर निगम से मांग की है कि जल्द से जल्द जलनिकासी की व्यवस्था की जाए, ताकि दुकानदारों और राहगीरों को राहत मिल सके।

निगम में लागू हुआ सेंट्रलाइज्ड अटेंडेंस सिस्टम

फर्जी उपस्थिति दर्ज करने पर लगेगी लगाम... घर बैठे अब नहीं लगेगी अटेंडेंस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

नगर निगम के कर्मचारी जो नेता और अधिकारियों के बंगले में चाकरी करते हैं और कुछ कर्मचारी तो ऐसे हैं जो घर बैठे वेतन लेते हैं अब उनको दफ्तर आकर ही अटेंडेंस लगानी होगी, क्योंकि बुधवार से निगम में सेंट्रलाइज अटेंडेंस सिस्टम लागू हो गया है। हालांकि आज पहला दिन था, इसलिए कई कर्मचारियों की अटेंडेंस नहीं लग पाई।

इसके चलते कर्मचारी हैरान-परेशान रहे, लेकिन बाद में जब अपर आयुक्त वरूण अवस्थी ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सभी विभागाध्यक्षों, जोनल अधिकारी और वार्ड प्रभारियों को नई प्रणाली की जानकारी दी। उसके बाद कर्मचारियों ने चैन की सांस ली। वहीं, उपायुक्त चंचलेश गिरहरे ने नई व्यवस्था के तहत कर्मचारियों को बताया कि वह कैसे अपने मोबाइल के जरिए अटेंडेंस लगा सकते हैं। हालांकि वह सुनकर कर्मचारी चौक गए, क्योंकि नई व्यवस्था के तहत निगम कार्यालय के 50 मीटर के दायरे में ही उपस्थिति दर्ज होगी। कुल मिलाकर जिन कर्मचारियों को वेतन घर बैठे बनता था, अब उन पर नकेल सक जाएगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने 30 सितंबर को आदेश जारी किया था। जिसे निगम में बुधवार को लागू किया गया।

ऐसे होगी उपस्थिति की निगरानी

अब उपस्थिति की निगरानी एनआइसी के तैयार एमपी अटेंडेंस पोर्टल पर होगी। पहले कर्मचारियों की उपस्थिति थंब इंप्रेशन से दर्ज होती थी, लेकिन अब यह प्रक्रिया आधार फेस आरडी ऐप के माध्यम से होगी। नई व्यवस्था के तहत प्रत्येक कर्मचारी को अपने मोबाइल में आधार फेस आरडी और आधार बेस ऐप डाउनलोड करना होगा। यदि किसी कर्मचारी की उपस्थिति इससे दर्ज नहीं होती, तो उसे एमपी अटेंडेंस पोर्टल पर आधार के जरिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा। वहीं सफाई कर्मचारियों की हाजिरी उनके दरोगा या सुपरवाइजर ऐप के जरिए दर्ज करवा सकेंगे। कर्मचारियों का रजिस्ट्रेशन किया जा रहा है। करीब 50-60 प्रतिशत कर्मचारियों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। जल्द ही शेष कर्मचारियों की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। - अंदलीब वारसी, सहायक, कंप्यूटर प्रोग्रामर, कंप्यूटर शाखा

भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब अतिक्रमण की जकड़ में

10 साल में तीन सर्वे...सिर्फ फाइलों में ही सिमटे, इस बार भी न हो जाए खानापूर्ति

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

भोपाल की लाइफ लाइन बड़ा तालाब अतिक्रमण की जकड़ में है। सरकार की रिपोर्ट में ये सामने आ चुका हैं, पर कार्रवाई जमीन पर न होकर फाइलों में ही सिमट गई। 10 साल में भदभदा की साढ़े 3 सौ से ज्यादा झुग्गियां जरूर हटी हैं। बाकी अतिक्रमण अब भी तालाब की जद को पार कर चुके हैं। अब एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्राइबल) ने फिर फटकार लगाई है। बड़ा तालाब का बीते दस साल में 3 बार सर्वे हो चुका है। इनमें बड़ी संख्या में अतिक्रमण सामने आए, लेकिन सर्वे रिपोर्ट का आज तक अता-पता नहीं है। इस वजह से बैरागढ़, खानूगांव, सूरजनगर, गौरागांव, बिसनखेड़ी समेत कई जगहों पर अतिक्रमण हुए। कई मैरिज गार्डन, फार्म हाउस, स्कूल-कॉलेज, घरों की सीमाएं भी तालाब में ही आ रही है।

एक्सपर्ट राशिद नूर की माने तो शहरी सीमा में 50 मीटर और ग्रामीण सीमा में 250 मीटर के दायरे में कोई निर्माण नहीं होना चाहिए, लेकिन जब भास्कर टीम यहां पहुंची तो एफटीएल मुनार से सटकर ही पक्के निर्माण बने हुए नजर आए। ऐसे 1 या 2 नहीं, बल्कि सैकड़ों निर्माण है। भदभदा, बिसनखेड़ी, गौरागांव, बील गांव और सूरजनगर में बड़ी बिल्डिंग, फार्म हाउस, रिसोर्ट भी देखने को मिलें। हैरत की बात ये है कि बड़ा तालाब रामसर साइट भी है। बावजूद सालों से सिर्फ फाइलों में ही कब्जे हटे हैं। सूरजनगर में तो जिस जगह पर रामसर साइट है और नगर निगम की मुनार लगी है। ठीक उससे जुड़ी बिल्डिंग की बाउंड्रीवॉल थी। यही पर नगर निगम की सीवेज लाइन भी बिछाई जा रही है। मुनार के पास सड़क भी भरी जा रही है, जो नियम के विरुद्ध है। दूसरी ओर, गौरागांव से बील गांव की तरफ सड़क भी तालाब के बीच से ही गुजरी है।

मुनारों में भी फर्जीवाड़ा...दो तरह की मुनारें मिली

बड़ा तालाब के किनारों पर भू-माफिया भी सक्रिय है, जो कम दाम पर प्लाट देने का वादा कर रहे हैं। उन्होंने और लोगों ने इस दायरे को लेकर ही भ्रम की स्थिति भी खड़ी की है। जिन मुनारों से एफटीएल की सीमा तय होती है, उन्हीं में फर्जीवाड़ा भी किया गया है। मौके पर एफटीएल बताने वाली 5 तरह की मुनारें लगी हुई मिली। इनमें से एक में बीएमसी यानी, भोपाल म्युनसिपल कॉरपोरेशन लिखा है। बाकी पर सफेद रंग है। लिखा कुछ नहीं है। इन्हीं फर्जी मुनारों के आसपास अतिक्रमण और अवैध निर्माण है। बड़ा तालाब के अतिक्रमण पर हाल ही में एनजीटी फिर सख्त हुआ। इसके बाद बुधवार से सर्वे शुरू किया गया। याचिका पर्यावरणविद् राशिद नूर ने लगाई थी। इस पर एनजीटी ने स्पष्ट किया कि वेटलैंड्स (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 का नियम-4 अब पूरे मध्यप्रदेश के सभी जलाशयों पर लागू होगा। बड़ा तालाब का सिर्फ कागजों का मामला नहीं, बल्कि भोपाल के पर्यावरण संतुलन से जुड़ा गंभीर मुद्दा है। तालाब में अब 41 नालों से सीवेज गिर रहा है और 227 अतिक्रमण अब तक हटाए नहीं गए। मामले में बैरागढ़ तहसीलदार हर्षविक्रम सिंह ने बताया कि बुधवार से सीमांकन शुरू कराया है। टीम को जल्द रिपोर्ट देने को कहा गया है।

साल 2016 में डीजीपीएस सर्वे, पर रिपोर्ट सामने नहीं आई

साल 2016 में नगर निगम ने डीजीपीएस (डिफरेंशियल ग्लोबल पोजिशनिंग सिस्टम) सर्वे कराया था। यह जमीन का सटीक माप करने की तकनीक है, जो जीपीएस की तुलना में ज्यादा जानकारी सामने लाती है। जमीन की सीमा, आकार का सटीक डेटा इकट्ठा करती है। इस सर्वे में बड़ा तालाब का क्षेत्र 38.72 वर्ग किमी बताया गया था, जबकि पहले यह एरिया 32 वर्ग किमी माना जाता था।

141 मुनारें ही गायब हो गईं

इसी साल एनजीटी ने बड़े तालाब का सर्वे करने के निर्देश दिए थे। इसमें 943 में से 802 मुनारें ही मिली थीं। इसमें भी 337 मुनारें पानी के भीतर डूबी हुईं थीं, यानी उन्हें एफटीएल से पहले ही लगाया गया था। 141 मुनारें मौके से गायब थीं, लेकिन इसके बाद मुनारें दोबारा लगाने और अतिक्रमण रोकने की कोई ठोस पहल नहीं हुई।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर हुई कार्रवाई की रिपोर्ट का अता-पता नहीं

इस साल सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद सर्वे किया गया। जिला प्रशासन ने मप्र झील संरक्षण प्राधिकरण के साथ मिलकर सर्वे किया, लेकिन इसकी रिपोर्ट का कोई अता-पता नहीं है। ये रिपोर्ट अब तक सामने नहीं आई है।

एम्स भोपाल में विशेष जीआई आन्कोसर्जरी क्लिनिक शुरू,

पेट-आंतों के कैंसर का होगा उपचार

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

एम्स भोपाल ने पेट और आंतों से जुड़ी बीमारियों के कैंसर मरीजों के लिए विशेष गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल (जीआई) आन्कोसर्जरी क्लिनिक शुरू की है। यह क्लिनिक हर सोमवार को ओपीडी ब्लाक के कमरा नंबर 110 और 111 में लगती है।

यहां पाचन तंत्र से जुड़े कैंसर मरीजों को एक ही जगह पर विशेषज्ञ परामर्श और इलाज की सुविधा दी जाती है। एम्स भोपाल के प्रबंधन का कहना है कि इस पहल से कई मरीजों को फायदा मिला है और संस्थान अन्य मरीजों से भी इसका लाभ उठाने की अपील कर रहा है।

पाचन तंत्र के कैंसर पर फोकस- इस क्लिनिक में भोजन नली, पेट, छोटी-बड़ी आंत, मलाशय, यकृत, पित्ताशय और अग्न्याशय के कैंसर से पीड़ित मरीजों की जांच और इलाज किया जाता है। इसका संचालन सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलाजी विभाग के विभागाध्यक्ष और अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ. विशाल गुप्ता और सहायक प्रोफेसर डा. प्रवेश माथुर कर रहे हैं। दोनों विशेषज्ञ मरीजों को समय पर और समग्र देखभाल देने पर जोर दे रहे हैं ताकि जटिल मामलों में भी बेहतर परिणाम मिल सकें।

समय पर इलाज से बढ़ती है सफलता

डॉ. गुप्ता और डॉ. माथुर का कहना है कि कैंसर के इलाज में नियमित और समय पर फालोअप बहुत जरूरी होता है। अपाइंटमेंट में देरी होने पर उपचार का असर कम हो सकता है। इसलिए मरीजों को सलाह दी गई है कि वे समय पर क्लिनिक आएं और उपचार की प्रक्रिया को बीच में न छोड़ें। एम्स भोपाल ने इस सुविधा को सुपर-स्पेशलिटी सेवाओं के विस्तार की दिशा में एक अहम कदम बताया है। इसका मकसद प्रदेश के मरीजों को विश्वस्तरीय कैंसर देखभाल उपलब्ध कराना है।

महिला एसआई के न होने से पीड़िताओं को थानों में 4-4 घंटे करना पड़ता है इंतजार

भोपाल। सरकार महिलाओं से जुड़े अपराधों में संवेदनशीलता और त्वरित कार्रवाई के दावे करती है, पर हकीकत उलट है। छेड़छाड़ और यौन शोषण जैसे मामलों में एफआईआर के लिए नाबालिग बच्चियों को भी थानों में घंटों इंतजार करना पड़ता है। महिला संबंधी अपराधों की शिकायत सुनने से लेकर एफआईआर, मेडिकल और बयान लेने के हक महिला सब इंस्पेक्टर या उससे वरिष्ठ अधिकारी को ही हैं पर भोपाल कमिश्नरेट के 38 थानों में सिर्फ 31 महिला सब इंस्पेक्टर हैं। इनमें भी 5 मातृत्व या चाइल्ड केयर लीव पर हैं, जबकि 4 ऑफिस स्टाफ में हैं। फील्ड में 22 सब इंस्पेक्टर हैं। कई थानों में महिला एसआई हैं ही नहीं। शिकायत मिलने पर कंट्रोल रूम से किसी अन्य थाने की महिला अफसर को बुलाया जाता है, जिससे एफआईआर दर्ज करने में 3 से 4 घंटे की देरी हो जाती है।

कोलार थाना क्षेत्र में मिले मानव अवशेष की नहीं हो सकी शिनाख्त

भोपाल। कोलार थाना क्षेत्र स्थित साउथ एक्सटेंशन कॉलोनी में मंगलवार दोपहर खाली प्लॉट के पास गड्ढे में मिले मानव अवशेष पुलिस ने मर्चूरी में रखवा दिए है। मेडिको लीगल से चर्चा में पता चला कि यह अवशेष किसी वयस्क व्यक्ति के है। हालांकि केवल हाथ और पैर की हड्डियां मिलने और छोटी छोटी हड्डियां मिलने से यह कहना मुश्किल है कि है कि हड्डिया पुरूष की है या महिला की है। हालांकि पैर की हड्डी का आकार देखकर मेडिको लीगल ने जरूर बताया है कि हड्डी किसी वयस्क की है। करीब दो महीने पहले से लाश पड़ी होने के कारण केवल मानव अवशेष ही मिले हैं। इसमें भी सिर और धड़ वाला हिस्सा नहीं मिला है। प्रथम दृष्टया मामला हत्या से जुड़ा नजर आ रहा है। पुलिस अलग अलग पहलुओं पर जांच कर रही है।

हड्डी का आकार देखकर वयस्क के अवशेष होने की आशंका, इलाके और आसपास से गुमशुदा की जानकारी जुटा रही पुलिस

उल्लेखनीय है कि सिक्स लेन से लगी साउथ एक्सटेंशन कॉलोनी में मंगलवार दोपहर कुछ बच्चे खेलने गए थे। इस दौरान उन्होने खाली पड़े प्लॉट के पास गड्ढे में मानव पैर को पानी में देखा था। बच्चों ने घर जाकर जानकारी दी। इधर मानव अवशेष मिलने की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई थी। पुलिस ने मानव पैर से कुछ दूरी पर एक बोरी बरामद की। बोरी में भी मानव अवशेष थे। इसके अलावा एक दुपट्टा था। जिससे कयास लगाए गए कि अवशेष किसी महिला के हो सकते हैं। हालांकि पुलिस ने एक तर्क यह भी दिया है कि हो सकता है कि दुपट्टे का इस्तेमाल शव को बांधने के लिए किया गया हो। अवशेष मिलने के बाद पुलिस शिनाख्त करने का प्रयास कर रही है।

स्कूल भवन जर्जर, गिरता है प्लास्टर डीपीआई-आयुक्त से जवाब तलब

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

मप्र मानव अधिकार आयोग ने भोपाल शहर के बैरसिया ब्लॉक के अंतर्गत स्थित प्राथमिक शाला कढ़ैया कोटा में स्कूल भवन के जर्जर होने के मामले में संज्ञान है। मामले में आयोग ने आयुक्त, लोक शिक्षण संचालनालय को जांच के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही की गई कार्यवाही का प्रतिवेदन भी मांगा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि स्कूल भवन की हालत जर्जर हो चुकी है। छत और दीवारों का प्लास्टर गिर गया है। कमरों की हालत जर्जर होने के कारण दो से चार कक्षाओं के बच्चे एक साथ बैठते हैं।

मटमैले पानी से परेशान रहवासी?: भोपाल शहर के नीलबड़ के बरखेड़ी खुर्द क्षेत्र के रहवासी को पिछले एक माह से गंदे पानी की समस्या से परेशान होना पड़ रहा है। आयोग के संज्ञान में आया है कि सड़क खुदाई के कारण बार-बार पानी की लाइन टूट जाती है, जिससे मटमैला और बदबूदार पानी लोगों के घरों तक पहुंच रहा है। ऐसे में लोगों को मजबूरन यही पानी उपयोग करना पड़ता है। आयोग ने नगर निगम आयुक्त को जांच के निर्देश दिए हैं।

संजीवनी क्लीनिक बनकर तैयार, शुरू नहीं: भोपाल जिले के कोलार क्षेत्र के वार्ड क्रमांक 81 के गेहूं खेड़ा सब्जी मंडी के पास बनी संजीवनी क्लीनिक का काम करीब छह माह से पूर्ण हो चुका है, लेकिन इसके बावजूद क्लीनिक शुरू नहीं हो पाई है। इस कारण आसपास की करीब 30 हजार आबादी और मरीजों को इसकी स्वास्थ्य सेवाएं नहीं मिल पा रही है। आयोग ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को जांच के निर्देश दिए हैं।

मेट्रो एंकर | **जीआरपी नहीं कर रही आउटर पर गश्त, झपटमारी के बाद यात्री कर रहे चेन पुलिंग**

भोपाल रेलवे स्टेशन के आउटर बने लूट के हॉट स्पॉट

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

राजधानी के भोपाल रेलवे स्टेशन के आउटर झपमटारों का हॉट स्पॉट बन गए हैं। यहां से गुजरने वाली ट्रेनों में आए दिन झपटमारी की घटनाएं हो रही है। जीआरपी इस स्पॉट पर न तो सर्चिंग कर रही है और न ही गश्त कर रही है। नतीजतन आसपास स्लम एरिये में रहने वाले नाबालिग और युवा यात्रियों के मोबाइल झपट रहे हैं। झपटमारी की घटना होने के बाद मजबूरन यात्रियों को चेन पुलिंग करनी पड़ती है। ऐसी स्थिति अन्य यात्रियों से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसके अलावा चेन पुलिंग से रेलवे को अलग नुकसान हो रहा है। बात अगर एक सप्ताह की करें तो यहां प्रतिदिन झपटमारी की एक वारदात जीआरपी ने दर्ज की है। इसके अलावा कुछ वारदातों में यात्रियों द्वारा शिकायत ही दर्ज नहीं कराई गई। यदि आप रेलवे स्टेशन आने से पूर्व गेट पर खड़ें है तो सावधान हो जाइए आपके हाथ में रखे मोबाइल

पर बाहर खड़े झपटमार की नजर है। झपटमार या तो डंडा मारकर आपके हाथ से मोबाइल गिराएगा या फिर सीढ़ियों से चढ़कर आपके हाथ से मोबाइल झपट लेगा। चलती ट्रेन में चढ़ने और उतरने में झपटमार माहिर है।

वारदात दर वारदात- जीआरपी के अनुसार राहुल पटेल पिता हरपाल सिंह पटेल (21) ग्राम जालौन, थाना बाबई जिला नर्मदापुर में रहता है। उसके पिता ट्रांस्पोर्ट का व्यवसाय करते हैं, जबकि राहुल इंदौर की एक कोचिंग में एसएससी परीक्षा की तैयारी कर रहा है। पातालकोट एक्सप्रेस रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से चली और भोपाल रेलवे स्टेशन आने वाला था। ट्रेन धीमी गति से चल रही थी। स्लम एरिया आने के बाद रेलवे ट्रैक किनारे दो तीन युवक खड़े थे। खंभा नंबर 834/22 के पास जनरल कोच पहुंचा था, तभी नीचे खड़े दो लोगों ने राहुल और उसके साथ खड़े एक अन्य युवक के हाथ पर डंडा मारा। राहुल के हाथ पर डंडा लगते ही उसका मोबाइल नीचे गिर गया। उसने शोर मचाकर अपने दोस्त को जंजीर खींचने की बात कही। उसने जंजीर खींची और ट्रेन रुक गई। हालांकि तब तक नीचे खड़े बदमाश मोबाइल उठाकर भाग निकले थे।

एक दिन पहले भी हुई थी लूट

राज्य रानी एक्सप्रेस के जनरल कोच में सफर कर रहे यात्री के हाथ से अज्ञात बदमाश ने निशातपुरा आउटर पर मोबाइल झपट लिया। जीआरपी ने बताया कि राहुल परिहार (30) ग्राम मेहलुआ चौराहा थाना कुरवाई जिला विदिशा में रहता है। उसने शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि वह ट्रेन क्रमांक 22161 राज्य रानी एक्स के पीछे के जनरल कोच में भोपाल से विदिशा की यात्रा कर रहा था। यात्रा के दौरान ट्रेन भोपाल स्टेशन से निकलने के बाद धीमी गति से चल रही थी। वह गेट पर बैठकर मोबाइल पर बात करने लगा। इस दौरान किसी अज्ञात व्यक्ति ने उसके हाथ पर झपट्टा मारकर मोबाइल छीन लिया। ट्रेन चलने के कारण वह ट्रेन से उतर नहीं सका था। जीआरपी ने बताया नर्मदा एक्सप्रेस में रानी कमलापति से भोपाल स्टेशन जा रही सोना खान पिता नफीस खान (20) सुभाष कालोनी, अशोका गार्डन के हाथ से अज्ञात बदमाश ने मोबाइल झपट लिया।

टॉप ब्यूरोक्रेसी के साथ एक क्लिक ...

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का कलेक्टर्स एसपी कांफ्रेंस के बाद संभाग आयुक्त,आईजी, कलेक्टर्स एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ ग्रुप फोटो।

मप्र में 10 हजार करोड़ का दवा व्यापार

60 हजार मेडिकल स्टोर की मॉनिटरिंग के लिए सिर्फ 79 ड्रग इंस्पेक्टर, जांच के लिए सिर्फ तीन लैब सक्रिय

भोपाल, दोहपर मेट्रो

मध्यप्रदेश में करीब 10 हजार करोड़ का दवा व्यापार है। यह हर साल 5.7त्न यानी लगभग 600 करोड़ की दर से बढ़ रहा है। इतने बड़े मार्केट की मॉनिटरिंग के लिए राज्य में सिर्फ 79 ड्रग इंस्पेक्टर हैं। जबकि दवाओं के सैंपल की जांच के लिए केवल 3 सक्रिय लैब हैं। इनमें भी सिर्फ भोपाल की लैब पूरी तरह फंक्शनल है। इसी कमजोर व्यवस्था के कारण कोल्ड्रिफ, री लाइफ और रेस्पिफेस टीआर जैसे जहरीले सिरप बाजार में बिना रोक-टोक के बेचे जाते रहे। यह स्थिति इतनी गंभीर है कि मध्यप्रदेश में कफ सिरप से छिंदवाड़ा, बैतूल, नागपुर और पांढुर्णा में अब तक 23 बच्चों की मौत हो चुकी है।

प्रदेश में 60 हजार से अधिक मेडिकल स्टोर

केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र घाकड़ के अनुसार, भोपाल में साढ़े तीन हजार से अधिक मेडिकल स्टोर सक्रिय हैं। वहीं, प्रदेश में इनकी संख्या 60 हजार से अधिक है। जहां तक जांच व्यवस्था की बात है, तो छोटी फार्मास्युटिकल कंपनियों में यह बेहद कमजोर है। हालांकि, भोपाल में नियमित जांच होती है, यही कारण है कि अब तक यहां इस तरह की घटनाएं दर्ज नहीं हुई हैं।

प्रदेश में बिक रही दवाओं की टेस्टिंग प्रक्रिया

- राज्य में 96 ड्रग इंस्पेक्टर के पद स्वीकृत हैं, जिनमें से सिर्फ 79 पर ही अधिकारी तैनात हैं।
- प्रत्येक ड्रग इंस्पेक्टर को प्रति माह कम से कम 5 सैंपल जांच के लिए भेजना अनिवार्य है।
- इन सैंपलों की जांच के लिए प्रदेश में भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर में चार लैब हैं, लेकिन ग्वालियर की लैब फंक्शनल नहीं है।
- बाकी तीन लैब की संयुक्त क्षमता हर साल लगभग 7 से 8 हजार टेस्टिंग की है।
- इनमें भी सिर्फ भोपाल की लैब जहरीले सिरप की पूरी जांच करने में सक्षम है।
- हर जिले से मेडिकल स्टोरों से रैंडम रूप से दवाओं के सैंपल कलेक्ट कर ड्रग इंस्पेक्टर स्पीड पोस्ट से भोपाल या अन्य लैब में भेजते हैं।
- सैंपल प्रदेश के अन्य जिलों से भोपाल पहुंचने में एक से तीन दिन लगते हैं और जांच में दो से तीन दिन और। इस तरह रिपोर्ट आने में औसतन एक सप्ताह का समय लगता है। यह देरी गंभीर स्थिति का कारण बनती है।

अब इमरजेंसी में सीधे लैब पहुंचेंगे सैंपल

ड्रग कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि भविष्य में इस तरह की घटनाएं न हों, इसके लिए बड़े स्तर पर कार्रवाई की योजना तैयार की जा रही है। इसके तहत प्रदेश भर में लगातार सैंपलिंग की जा रही है। अगर किसी ड्रग में गड़बड़ी की आशंका होगी तो उसके सैंपल अब स्पीड पोस्ट से नहीं भेजे जाएंगे। एक नई एसओपी तैयार की जा रही है, जिसके तहत इमरजेंसी स्थिति में ड्रग इंस्पेक्टर सैंपल को सीधे लैब पहुंचाएंगे। वहीं, लैब को निर्देश दिया गया है कि वह 24 घंटे के भीतर रिपोर्ट तैयार करे, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

देश में हर साल दो लाख करोड़ का कारोबार

फार्मास्युटिकल मार्केट एनालिसिस कंपनी 'एक्युएंट' की रिपोर्ट (2025) के अनुसार, भारत में फार्मास्युटिकल मार्केट का वार्षिक कारोबार 2,30,867 करोड़ रुपए का है, जो हर साल 7.4त्न की दर से बढ़ रहा है। एमपी-सीजी में यह आंकड़ा 10,767 करोड़ रुपए है। लगातार बढ़ते इस व्यापार में नई कंपनियां तेजी से एंट्री ले रही हैं, जिससे प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। ऐसे में कम लागत और सस्ती दवाएं बनाने की होड़ में छोटी कंपनियां क्वालिटी से समझौता कर रही हैं, जिसका ताजा उदाहरण छिंदवाड़ा में कफ सिरप पीने से हुई मासूम बच्चों की मौत है।

सेंट्रल एजेंसी नए सिरे से कर रही जांच

भोपाल, जबलपुर और इंदौर की लैब के अलावा केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन भी प्रदेश में विस्तृत जांच कर रहा है। ड्रग कंट्रोलर दिनेश श्रीवास्तव ने बताया कि फिलहाल फोकस कफ सिरप पर है। जिन कंपनियों के सिरप नॉन स्टैंडर्ड क्वालिटी के पाए गए हैं, उन्हें जब्त करने की प्रक्रिया जारी है। इसके अलावा अन्य फार्मास्युटिकल सिरप के सैंपल भी जांच के लिए भेजे जा रहे हैं। इस प्रक्रिया में सेंट्रल एजेंसी राज्य सरकार के साथ पूरी तरह सहयोग कर रही है।

प्रभारी मंत्री करेंगे सम्मेलन, विधायकों को मिलेंगे वीसी सेट

छह महीने बाद मप्र में फिर होगी कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस, सीएम की घोषणा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में दो दिवसीय कलेक्टर्स कमिश्नर्स कांफ्रेंस के समापन पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान सीएम ने दो दिन हुए मंथन का ब्यौरा पेश किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों के हित में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। जनकल्याण के सभी कार्यों और व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। कलेक्टर्स कान्फ्रेंस नियमित रूप से होगी। अभी 7 और 8 अक्टूबर को संपन्न कॉन्फ्रेंस 8 वर्ष के अंतराल के बाद हुई है।

इस कांफ्रेंस को वर्ष में कम से कम एक बार और संभव हो तो दो बार आयोजित किया जाएगा। जनहित प्रथम लक्ष्य है इस नाते छह माह पश्चात यह कॉन्फ्रेंस पुनः होगी। इस कांफ्रेंस में महत्वपूर्ण विषयों पर विचार- विमर्श की प्रक्रिया से प्राथमिकता निर्धारित कर कार्य में आसानी होगी और नागरिकों के लिए व्यवस्थाओं को अधिक बेहतर बनाया जा सकेगा। सीएम ने विकास और सुदृढ़ कानून व्यवस्था दोनों को पूरा महत्व देने के निर्देश राज्य के प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को दिए।

दो दिन में हुए 8 सत्र

सीएम ने कहा कि दो दिन के कॉन्फ्रेंस में आठ सत्र संपन्न हुए। सभी 55 जिलों के कलेक्टर, पुलिस अधीक्षक, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, संभाग के आयुक्त, आईजी और पुलिस आयुक्त कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए। पहले दिन पांच सत्र और दूसरे दिन तीन सत्र इस तरह कुल 8 सत्र हुए। इन सत्रों में कानून व्यवस्था, कृषि एवं उद्यानिकी, स्वास्थ्य, औद्योगिक निवेश एवं रोजगार, नगरीय विकास, शिक्षा ग्रामीण विकास, सुशासन एवं जनजातीय विकास जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विस्तार पूर्वक चर्चा हुई।

तीन माह और एक वर्ष के लक्ष्य के अनुसार होगा कार्य

सीएम ने कहा कि अगले तीन माह एवं एक वर्ष के लिए अलग-अलग लक्ष्य निर्धारित किए गए हैं। अधिकारीगण इसके अनुसार ही कार्य करेंगे। दो दिवसीय कॉन्फ्रेंस में मैदानी अधिकारियों को जहां अपने जिले में किए गए नवाचार प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया वहां उनकी कठिनाइयां भी सुनी गई हैं। फील्ड अधिकारियों के प्रश्नों और समस्याओं का निराकरण वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा किया गया।

जबलपुर हाईकोर्ट के मप्र शासन को निर्देश

यूका का कचरा जलने से बनी राख को ऐसी जगह खपाएं जहां आबादी ना हो

जबलपुर। हाई कोर्ट के प्रशासनिक न्यायाधीश अतुल श्रीधरन व न्यायमूर्ति प्रदीप मित्तल की युगलपीठ ने मध्य प्रदेश शासन को यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के विनिष्ठीकरण से निकली राख की विशेषज्ञों द्वारा की गई जांच की रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए हैं। कोर्ट ने सरकार को यह भी कहा है कि राख के विनिष्ठीकरण के लिए अन्य कोई ऐसा सुरक्षित स्थान भी तलाशें जहां रहवास नहीं हो। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक सरकार को इस संबंध में भी अपना पक्ष रखने कहा है। मामले की अगली सुनवाई 20 नवंबर को होगी। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004 में आलोक प्रताप सिंह ने यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के

विनष्ठीकरण की मांग करते हुए हाई कोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी। जनहित याचिकाकर्ता की मृत्यु के बाद हाई कोर्ट मामले की सुनवाई संज्ञान याचिका के रूप में कर रही थी।

पूर्व में हुई सुनवाई के दौरान राज्य शासन की ओर से पेश रिपोर्ट में बताया गया था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का विनष्ठीकरण सफलतापूर्वक पीथमपुर स्थित सुविधा केंद्र में कर दिया गया है। जहरीले कचरे से 850 मीट्रिक टन राख व अवशेष एकत्रित हुआ है।

जहरीले कचरे की राख में रेडियो एक्टिव पदार्थ सक्रिय

एमपीपीसीबी से सीटीओ मिलने के बाद अलग लैंडफिल सेल में उसे नष्ट किया जाएगा। इस दौरान हाई कोर्ट में एक अन्य जनहित याचिका दायर की गयी थी। जिसमें कहा गया था कि यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे की राख में रेडियो एक्टिव पदार्थ सक्रिय हैं, जो चिंता का विषय है। रखा में मरकरी है, जिसे नष्ट करने की तकनीक सिर्फ जपान व जर्मनी के पास है। याचिकाकर्ता की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता नमन नागरथ व अधिवक्ता खालिद नूर फखरुद्दीन ने पैरवी की।

स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग को बढ़ावा दें

भोपाल। राज्यमंत्री दिलीप जायसवाल ने कहा कि स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज हम सब एक ऐसी पहल का शुभारंभ कर रहे हैं जो न केवल तकनीकी दृष्टि से आधुनिक है बल्कि आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने की दिशा में एक सशक्त कदम है। राज्य शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के अंतर्गत, खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा विकसित यह एकीकृत डिजिटल प्लेटफार्म - mpkhadigramodyog.com हमारे राज्य के लाखों कारीगरों, बुनकरों, उद्यमियों और उपभोक्ताओं के लिए एक नया डिजिटल पुल है। यह पहल डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्यों को मजबूत करेगी। राज्य मंत्री श्री जायसवाल ने यह बात भोपाल हाट में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा विकसित की गई वेबसाइट के शुभारंभ अवसर पर कही।

एडीबी प्रतिनिधिमंडल ने देखा संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क का उत्कृष्ट कौशल विकास मॉडल

भोपाल। संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल्स पार्क में एशियन डेवलपमेंट बैंक बोर्ड के सदस्यों का प्रतिनिधिमंडल पहुंचा और संस्थान की आधुनिक अधोसंरचना, प्रशिक्षण सुविधाओं तथा विद्यार्थियों की दक्षता और नवाचारों का अवलोकन किया। प्रतिष्ठित एडीबी प्रतिनिधिमंडल में निम दोरजी, वेइहुआ लियू, सुसुपक चैयावान, सुमाया स्वेर्टूप, हारुका सेव्या, पोनुराज वेलुसामी, सुलोइस लेई पी. नकारियो, डॉ. व्योमेश पंत और पूनम एस. भाम्बरी शामिल रहे।

गुणवत्ता सुधार के लिए औचक निरीक्षण जारी

दो ठेकदारों पर एक्शन, संबंधित अधिकारियों को थयाया नोटिस

भोपाल। प्रदेश में निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुधार के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा माह में दो बार औचक निरीक्षण किया जाता है इसी क्रम में 06 अक्टूबर को मुख्य अभियंताओं के सात दलों द्वारा रायसेन, कटनी, श्योपुर, खरगौन, मैहर, नीमच एवं दमोह जिलों में कुल 34 कार्यों का रेंडम आधार पर निरीक्षण किया गया। इनमें 21 कार्य लोक निर्माण विभाग (सड़क/पुल), 6 कार्य पीआईयू (भवन), 6 कार्य मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम एवं 1 कार्य मध्यप्रदेश भवन विकास निगम के अंतर्गत सम्मिलित थे। निरीक्षण रिपोर्टों की समीक्षा बैठक वीडियों कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित की गई, जिसकी अध्यक्षता प्रबंध संचालक म.प्र. सड़क विकास निगम भारत यादव ने की। बैठक में प्रमुख अभियंता केपीएस राणा, प्रमुख अभियंता एसआर बघेल सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा के दौरान रायसेन जिले में मुआर मगरमोली-समनापुर-झामर रोड की खराब स्थिति पाए जाने पर संबंधित ठेकेदार मेसर्स आदित्य कंस्ट्रक्शन को नोटिस जारी करने की अनुशंसा की गई। श्योपुर जिले के सेमई-विजयपुर मार्ग के खराब कार्य पर संबंधित अधिकारियों को नोटिस तथा ठेकेदार मेसर्स राज कंस्ट्रक्शन को ब्लैकलिस्ट करने की अनुशंसा की गई। 19 कार्यों में आंशिक सुधार के निर्देश दिए गए।

मेट्रो एंकर

11 राज्यों की 36 टीम ने प्रस्तुत किए डिजिटल नवाचार

तकनीक -परंपरा के संगम से सिंहस्थ-2028 को मिलेगा स्मार्ट लुक

भोपाल, दोहपर मेट्रो

उज्जैन महाकुंभ हैकाथॉन-2025 का ग्रैंड फिनाले भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल में प्रारंभ हुआ। दो दिवसीय आयोजन में भारत के 11 राज्यों की प्रतिभाएं एक मंच पर आईं और सिंहस्थ-2028 को तकनीक के जरिए और बेहतर बनाने के लिए डिजिटल समाधान प्रस्तुत किए। हैकाथॉन में 26 राज्यों से 1,726 पंजीकरण हुए और 932 नवीन विचार प्रस्तुत किए गए। कड़े मूल्यांकन के बाद मध्यप्रदेश, उत्तरप्रदेश, उड़ीसा, केरल, गुजरात, दिल्ली, बिहार, पश्चिम बंगाल, आंध्रप्रदेश, कर्नाटक और तमिलनाडु की 36 टीम फिनाले में पहुंचीं।इस हैकाथॉन ने एक भारत-एक साथ नवाचार÷ की भावना को जीवंत किया है। मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आयोजित इस हैकाथॉन-2025 का लक्ष्य शासन, जन सुरक्षा

और नागरिक कल्याण के लिए तकनीक का उपयोग करना है। समारोह में आईआईएसईआर भोपाल के निदेशक प्रो. गोवर्धन दास ने कहा कि ÷कुंभ मेला सिर्फ एक आयोजन नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक एकता का प्रतीक है। यह हैकाथॉन परंपरा और तकनीक के खूबसूरत मेल को दर्शाता है। एमपीएसईडीसी के परियोजना निदेशक अंशुमन राज ने इसे सरकारी चुनौतियों को समाधान में बदलने का शानदार अवसर बताया। उन्होंने कहा कि सिंहस्थ-2028 नागरिकों के लिए स्मार्ट सुरक्षा प्रणालियाँ विकसित करने का अवसर है। कार्यकारी निदेशक डॉ. संदीप गोयल ने इसे विचारों और विविधता का संगम कहा जो सिंहस्थ जैसे विशाल आयोजन को और बेहतर बनाएगा। समारोह में एनईजीडी के निदेशक अभिषेक अनंत भी उपस्थित थे।

36 फाइनलिस्ट टीमों ने पेश किए अपने नवाचार

36 फाइनलिस्ट टीम ने स्मार्ट मोबिलिटी, सुरक्षा और निगरानी, स्वास्थ्य और स्वच्छता एवं डिजिटल अनुभव और सांस्कृतिक विसर्जन जैसे चार प्रमुख क्षेत्रों में अपने प्रोटोटाइप प्रस्तुत किए। उल्लेखनीय परियोजनाओं में क्राउडगार्ड एआई-वास्तविक समय में सुरक्षा सुनिश्चित करने वाली प्रणाली, एआई-मूव सिंहस्थ-तीर्थयात्रियों के प्रवाह को प्रबंधित करने का समाधान, एकीकृत पार्किंग प्रबंधन प्लेटफॉर्म (केरल)- पार्किंग की समस्या का तकनीकी हल शामिल हैं।

अमेरिका में तुगलक

मेक अमेरिका ग्रेट अगेन के नारे के साथ वापसी करने वाले डोनाल्ड ट्रंप ने अपने देश के सामने प्रवासियों को एक बड़ी समस्या की तरह पेश किया। उनकी नीतियों के हिसाब से प्रवासी ऐसे खलनायक हैं, जिन्होंने अमेरिकियों से रोजी-रोटी छीन ली है। हालांकि इसकी वजह से खुद अमेरिका के भीतर केंद्र बनाम राज्य की एक बड़ी लड़ाई शुरू हो चुकी है और शिकागो में जो हो रहा है, यह उसी की एक झलक है।

ट्रंप का बहाना: ट्रंप ने पड़ोसी राज्य टेक्सस से शिकागो में नैशनल गार्ड्स की टुकड़ी भेज दी है। ट्रंप का कहना है कि देश के कुछ बड़े शहर अवैध प्रवासियों से भर गए हैं और अपराध का अड्डा बन चुके हैं। वहीं, शिकागो के मेयर का कहना है कि अपराध कुछ सीमित इलाकों में ही है। असल में ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन खतरे को बड़ा दिखाकर जनता में डर भरना चाहता है, ताकि वे उसके फैसले को मान लें।

लॉस एंजिलिस से नहीं सीखा: जनवरी में सत्ता संभालने के बाद से ट्रंप ऐसी ही कोशिश दूसरे विपक्षी राज्यों में भी कर चुके हैं। कुछ महीनों पहले उन्होंने इमिग्रेशन एंड कस्टम्स एनफोर्समेंट को लॉस एंजिलिस में उतार दिया था। वहां भी कारण अवैध प्रवासी बताए गए। लेकिन, जब सेंट्रल फोर्स ने कार्रवाई शुरू की, तो लॉस एंजिलिस ही नहीं, पूरा कैलिफोर्निया सुलग उठा।

गृह युद्ध से तुलना: इस घटना के दो पहलू हैं - राजनीतिक और संवैधानिक। टेक्सस में रिपब्लिकन पार्टी की सरकार है, जबकि शिकागो जिस Illinois राज्य में आता है, वहां डेमोक्रेट्स की। ऐसे में सियासी बवाल तो होना ही था। साथ में ऐसी स्थिति भी बन गई है, जहां दो राज्य आमने-सामने हैं। कोई आश्चर्य नहीं कि इसलिए इसकी तुलना 1861 के गृह युद्ध से की जा रही है। तब भी उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के बीच गहरी राजनीतिक-सामाजिक दरार पड़ गई थी।

असहमति पर हमला: ट्रंप का यह कार्यकाल अभी तक अनिश्चित नीतियों, धमकियों और बदले का रहा है। जो उनके साथ हैं, उन्हें 2021 की US Capitol Hill जैसी घटना के लिए भी माफी मिल गई, जबकि असहमति रखने वालों को नौकरी से निकाल दिया गया। यह असहमति उन्हें राजनीति में भी गंवारा नहीं। प्रवासियों के बहाने विरोधी राज्यों के खिलाफ सुव्यवस्थित कार्रवाई दरअसल उनका शक्ति प्रदर्शन है - जो वह विदेश नीति में भी दिखाते रहते हैं। ट्रंप की इस की लड़ाई संघ बनाम राज्य, मानवाधिकार बनाम देश की सुरक्षा और संविधान बनाम जिद पर आ टिकी है।

विदेशी धरती पर भारतीयों पर बढ़ते हमले... वैश्विक प्रतिष्ठा का सवाल

डॉ. मयंक चतुर्वेदी
वरिष्ठ पत्रकार

विदेशों में भारतीयों की मौत और हमलों की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। यह अब केवल आंकड़ों या खबरों का विषय नहीं रह गया है, यह भारत की प्रवासी सुरक्षा और वैश्विक प्रतिष्ठा का गंभीर प्रश्न बन चुका है। अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप जैसे विकसित देशों में भारतीय छात्रों और प्रवासियों पर हो रहे हमले इस सदी के सबसे दर्दनाक सामाजिक परिदृश्यों में से एक बन गए हैं।

ताजा घटना अमेरिका के टेक्सास राज्य के डलास शहर की है, जहां 27 वर्षीय भारतीय छात्र चंद्रशेखर पोल की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वह हैदराबाद के रहने वाले थे और टेक्सास में डेंटल सर्जरी में मास्टर डिग्री की पढ़ाई कर रहे थे। वह गैस स्टेशन पर अपनी पार्ट-टाइम नौकरी में व्यस्त थे, तभी एक अज्ञात बंदूकधारी ने उन पर गोलियां दाग दीं। अस्पताल ले जाने पर उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। यह खबर जैसे ही भारत पहुंची, हैदराबाद में उनके घर पर कोहराम मच गया। माता-पिता, जिन्होंने बेटे की पढ़ाई के लिए घर गिरवी रख दिया था, अब उसके पार्थिव शरीर के लौटने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पिता ने कहा, वह डॉक्टर बनना चाहता था, लेकिन हमें अब सिर्फ उसका शव मिल रहा है। तेलंगाना के बीआरएस विधायक सुधीर रेड्डी और पूर्व मंत्री टी. हरीश राव ने परिवार से मुलाकात की और इसे राज्य की सामूहिक त्रासदी बताया। हरीश राव ने सोशल मीडिया पर लिखा, जिस बेटे के ऊंचाइयों तक पहुंचने की उम्मीद थी, उसके लिए अब केवल शोक ही बचा है। राज्य सरकार को तुरंत कदम उठाकर शव को भारत लाना चाहिए।

पांच सालों में बढ़े विदेशी हमले-डर और असुरक्षा की रेखा: यह घटना किसी अपवाद की तरह नहीं आई। विदेश मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, पिछले पांच वर्षों (2021-2025) में भारतीय नागरिकों पर कई हमले हुए हैं, जिनमें अनेक लोगों की हत्या तक कर दी गई।

वर्षवार घटनाओं की संख्या: 2025 के आंकड़े अभी आंशिक हैं, लेकिन शुरुआती महीनों में ही कई गंभीर घटनाएं हिंसा की सामने आ चुकी हैं।) इन आंकड़ों में विशेष रूप से चिंताजनक बात यह है कि अकेले 2024 में 30 भारतीय छात्रों की हत्या हुई। इनमें से कनाडा में 16, अमेरिका में 12 और ब्रिटेन व सऊदी अरब में 10-10 मामलों की पुष्टि हुई। यह संख्या बताती है कि विदेशों में भारतीय छात्रों की सुरक्षा कितनी नाजुक हो चुकी है।

विदेशों में हिंसा के नए केंद्र: अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में पिछले कुछ वर्षों में भारतीयों पर हुए हमले नस्ली भेदभाव और अपराध दोनों से जुड़े दिखे हैं।

अमेरिका: डलास, इंडियाना, शिकागो, और ह्यूस्टन जैसे शहरों में भारतीय छात्रों और टैक्सी ड्राइवरों पर हमले हुए हैं। जनवरी 2025 में इंडियाना में एक भारतीय छात्रा पल्लवी राव की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चंद्र मौली नागमल्लैया नामक भारतीय व्यक्ति की हत्या 10 सितंबर 2025 को डलास, टेक्सास (अमेरिका) में की गई।

कनाडा: 2024 में ही टोरंटो और ब्रैम्पटन में भारतीय युवकों की हत्याएं हुईं। कुछ मामलों में 'गैंगवार' का संदेह जताया गया।

ब्रिटेन और यूरोप: आयरलैंड की राजधानी डबलिन में जुलाई 2025 में 40 वर्षीय भारतीय मूल के व्यक्ति को बेरहमी से पीटा गया, जिससे उसकी मौत हो गई।

ऑस्ट्रेलिया: मेलबर्न में एक 23 वर्षीय भारतीय छात्र पर नस्ली गालियां देते हुए हमला किया गया।

मध्य-पूर्वी देशों में स्थिति अलग है, वहां हत्याओं से अधिक कानूनी जटिलताएं, श्रमिकों के शोषण और सजा-ए-मौत के मामलों ने भारतीयों की सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। यूएई में 29, सऊदी अरब और कुवैत में कई भारतीय नागरिकों को अब भी कठोर दंड का सामना करना पड़ रहा है।

अर्थशास्त्र और असुरक्षा के बीच भारतीय प्रवासी: हर वर्ष लगभग 15 लाख भारतीय विदेशों में रोजगार या शिक्षा के लिए जाते हैं। इनमें से सबसे बड़ा हिस्सा अमेरिका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया में उच्च शिक्षा और तकनीकी नौकरियों के लिए जाता है। परंतु इस प्रवास के साथ एक मूक संकट भी चलता है, विदेशी समाजों में 'असमान पहचान', नस्लीय टिप्पणियां, और सुरक्षा का असंतुलन। भारतीय छात्र आमतौर पर कम लागत वाले क्षेत्रों में रहते हैं और खर्च पूरा करने के लिए रात में पार्ट-टाइम काम करते हैं, जैसे चंद्रशेखर गैस स्टेशन पर करते थे।

विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के लिए सुरक्षा ऑडिट, रात के कार्यस्थलों के लिए स्थानीय पुलिस की निगरानी और इंडियन हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएं तत्काल आवश्यक हैं। यानी ऐसा कॉमन संपर्क नंबर कि दुनिया के किसी भी देश में भारतीय संकट की स्थिति में उस नंबर को डायल कर सकें और वहां से संबंधित देश के साथ समन्वय स्थापित कर तत्काल सहायता जरूरतमंद भारतीय तक पहुंचाई जा सके। हालांकि भारत ने हाल के वर्षों में MADAD पोर्टल, प्रवासी सहायता मिशन और हेल्पलाइन जैसी व्यवस्थाएं शुरू की हैं, लेकिन इनका प्रभाव सीमित रहा है। इसलिए जरूरत है, विदेशों में भारतीय छात्रों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल अनिवार्य बनाए जाएं। हर लौटता हुआ ताबूत भारत के लिए एक संदेश है कि उसके नागरिक जहां भी जाएं, उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी देश की भी है।

युवाओं को सोशल मीडिया व एआई के शिकंजे से बचा पाएंगी सरकारें

नीलेश वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार

विश्व आज डिजिटल क्रांति के दौर से गुजर रहा है। मोबाइल और इंटरनेट अब हर हाथ में है और सोशल मीडिया और आर्टिफिशियल एंटेलीजेंस का प्रयोग मन और मस्तिष्क दोनों को प्रभावित कर रहा है। सोशल मीडिया युवाओं के लिए जहां विचार साझा करने और सीखने का अवसर देता है, वहीं इसका अंधाधुंध और गलत इस्तेमाल गंभीर खतरा बनता जा रहा है। गलत सूचनाएं, उकसाने वाले संदेश और डिजिटल लत, युवाओं को हिंसा, नैतिक पतन और भ्रमित विचारधाराओं की ओर धकेल रहे हैं। यह खतरा केवल भारत तक सीमित नहीं, बल्कि वैश्विक बन चुका है। दुनिया के कई देशों में सोशल मीडिया का दुरुपयोग और डीपफेक विशेषकर युवाओं द्वारा हिंसा और सत्ता परिवर्तन जैसे गंभीर परिणामों तक पहुँच चुका है।

भारत में भी अग्निपथ योजना, सीएए-एनआरसी और किसान आंदोलन के दौरान सोशल मीडिया पर भ्रामक पोस्ट और उकसाने वाली सामग्री के कारण कई राज्यों में युवाओं द्वारा हिंसा, पथराव और तोड़फोड़ की घटनाएँ देखी गईं। इसी प्रकार नेपाल में भी सोशल मीडिया के माध्यम से सरकार विरोधी प्रचार और फर्जी खबरों ने युवाओं को सड़कों पर उतरने और सरकारी संस्थानों के खिलाफ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। नेपाल में राजनीतिक अस्थिरता के दौरान ट्विटर और फेसबुक जैसे मंचों पर फैले अभियानों ने युवाओं को राजनीतिक आंदोलन में उतारने में बड़ी भूमिका निभाई, जिनमें कुछ प्रदर्शन हिंसक भी हो गए।

विश्व के अनेक देश ऐसे हैं जिनमें सोशल मीडिया का दुरूपयोग कर युवाओं को भ्रमित कर हिंसक आंदोलनों और अस्थिरता फैलाने के लिए किया गया है। वर्ष 2021 में अमेरिका में हुए कैपिटल हिल हमले के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर फैलाए गए झूठे दावों और उकसावों ने हजारों युवाओं को लोकतंत्र के सबसे बड़े प्रतीक पर हमला करने के लिए प्रेरित किया। श्रीलंका में व्हाट्सएप और फेसबुक के माध्यम से फैलाई गई साम्प्रदायिक अफवाहों ने युवाओं को सड़कों पर उतरने और हिंसा फैलाने के लिए उकसाया। म्यांमार में फेसबुक के ज़रिए रोहिंग्या समुदाय के खिलाफ घृणा फैलाकर बड़े पैमाने पर हिंसा को अंजाम दिया गया, जिसमें युवाओं की भूमिका प्रमुख रही।

जब युवा सोशल मीडिया के दुरुपयोग का शिकार होते हैं, तो उसका असर केवल परिवार और समाज पर नहीं होता, बल्कि लोकतांत्रिक और शासन व्यवस्था पर भी पड़ता है। भारत में भी सोशल मीडिया के कारण कई बार अफवाहें, साम्प्रदायिक तनाव और हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं। उदाहरणस्वरूप, मॉब लिंचिंग की घटनाएं, छात्र आंदोलनों में गलत सूचनाओं का फैलाव, और चुनावों के दौरान फेक न्यूज़ का प्रसार, इस डिजिटल खतरे की गंभीरता को दर्शाते हैं।

सोशल मीडिया की चुनौती से निपटने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें कुछ अहम कदम उठा रही हैं। आईटी नियमों (2021) के तहत सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स को जवाबदेह बनाया गया है। उन्हें अवैध या भड़काऊ सामग्री को हटाने के लिए समय-सीमा दी गई है। साइबर क्राइम सेल का विस्तार किया जा रहा है और राज्यों में डिजिटल निगरानी यूनिट्स सक्रिय की जा रही हैं। डिजिटल साक्षरता अभियान के तहत युवाओं को सोशल मीडिया की सही उपयोगिता और खतरों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। फेक न्यूज़ और डीपफेक जैसी तकनीकों को रोकने हेतु AI आधारित निगरानी तंत्र विकसित किए जा रहे हैं।

केंद्र व राज्य सरकारें प्रयास कर रही हैं, लेकिन कई जमीनी चुनौतियाँ अब भी बनी हुई हैं। विदेशी सोशल मीडिया कंपनियां कई बार सरकार की मांगों के अनुरूप डेटा या जानकारी साझा नहीं करतीं। जब भी सरकार निगरानी या नियंत्रण की कोशिश करती है, तो कुछ समूह 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' और निजता का हवाला देकर विरोध करते हैं। जैसे-जैसे नई ऐप्स और प्लेटफॉर्म आते हैं, सरकार की निगरानी प्रणाली उनके पीछे छूट जाती है। अधिकांश युवा यह नहीं समझते कि वे कैसे एक गलत सूचना या डिजिटल अभियान का हिस्सा बन रहे हैं। इस समस्या से निपटने के लिए सरकारों को केवल कानून बनाना ही नहीं, बल्कि समग्र दृष्टिकोण अपनाना होगा।

शिक्षा प्रणाली में डिजिटल नैतिकता और जिम्मेदार इंटरनेट उपयोग को शामिल करना चाहिए। सोशल मीडिया कंपनियों से कड़ा अनुबंध करना होगा जिससे वे भारत के कानूनों के प्रति जवाबदेह रहें। सामाजिक संगठनों और युवाओं को भागीदार बनाकर डिजिटल जागरूकता को जन-आंदोलन बनाना होगा। सबसे महत्वपूर्ण, सभी राज्य सरकारों को मिलकर कार्य करना होगा, क्योंकि यह खतरा राष्ट्रीय स्तर का है और अब वैश्विक रूप ले रहा है। डिजिटल युग में सोशल मीडिया एक शक्ति है - इसका सही उपयोग समाज को जोड़ सकता है, पर दुरुपयोग देश को तोड़ भी सकता है। जब युवा इसका शिकार बनते हैं, तो सिर्फ उनका भविष्य नहीं, राष्ट्र की स्थिरता भी दांव पर लग जाती है। सरकारों के प्रयास सराहनीय हैं, पर अब समय है कि यह ज़िम्मेदारी सिर्फ कागज़ों तक न रहे, बल्कि ज़मीन पर दिखे। यदि केंद्र और राज्य सरकारें मिलकर तेज़ी, पारदर्शिता और दृढ़ इच्छाशक्ति से काम करें और समाज व तकनीक का सहयोग लें, तो निश्चित ही वे युवाओं को इस डिजिटल खतरे से बचाने में सफल होंगी।

सुविचार

मीठा बोलने में एक कौड़ी भी खर्च नहीं होती, इसलिए सदा प्रेमयुक्त, मधुर व सत्य वचन बोलें।
-अज्ञात

निशाना

हैसियत देख न रिश्ते बनाइए..!

अशेष श्रीवास्तव

दिल की बात न दिल में रखिये
कोई तो होगा उससे कहिये..
माना के सब खुद में मगन हैं
कुछ हमदर्द हैं उनसे कहिये..
हॉं सबसे दिल खोलते न रहिये
पर कुछ अपनों से बोलते रहिये..
अपनी सुना उनकी भी सुनिये
कुछ से दुख को बाँटते रहिये..
खुशियाँ भी खुद तक न रखिये
कुछ अपनों से बाँटते रहिये..
बाँटने से दुख कम होते और
बढ़ती खुशी तो बाँटते रहिये..
हो सकता कोई मिले मदद न
हो जाता दिल हल्का कहिये..
हर बात को न दिल पे लीजिये
कुछ अनसुनी अनदेखी कीजिये..
हैसियत देख ही रिश्ते न बनाइए
दिल वालों को भी अपनाइये..
दिल के रिश्तों में दिमाग न लगाइये
दिमाग की बातों में दिल न लगाइये..
कोई न मिलता प्रभु से कहिये
लेकिन बात न दिल में रखिये..
माना उससे कुछ न छिपा पर
फ़िर भी उससे दिल की कहिये..

रिसर्च

चांद पर AI का करिश्मा, ऐसी गुफाओं की खोज जिनमें रह सकते हैं वैज्ञानिक

AI की मदद से आज छोटे से लेकर बड़े काम तक किए जा रहे हैं। अब एआई का इस्तेमाल धरती तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि चांद तक पर खोजबीन के लिए एआई का यूज हो रहा है। ताजा उदाहरण केंट यूनिवर्सिटी की एक खोज का है। यहां के रिसर्सर ने AI की मदद से चांद पर दो गुफाएं खोज दी हैं। ये गुफाएं भविष्य में अंतरिक्ष यात्रियों के लिए रहने की सुरक्षित जगह बन सकती हैं। इस खोज को डैनियल ले कोर नाम के रिसर्चर ने किया, जो केंट यूनिवर्सिटी में इंजीनियरिंग, गणित और फिजिक्स के छात्र हैं। एआई दुनियाभर में अपना प्रभाव दिखा रहा है। इसका प्रयोग हर क्षेत्र में हो रहा है।

AI मॉडल से खोज निकाली गुफा: यूनिवर्सिटी ऑफ केंट के मताबिक, रिसर्चर डैनियल ले कोर ने चंद्रमा की सतह का सिर्फ 0.3% हिस्सा ही देखा था और इतने में ही दो गड्ढों की खोज कर ली। इन गड्ढों को खोजने के लिए डैनियल ने एक खास AI मॉडल का इस्तेमाल किया, जिसका नाम ESSA है। ESSA का मतलब है 'एंट्रेंसेज टू सब-सर्फेस एरियाज'। इस AI को NASA के सैटेलाइट चित्रों को देखने और गड्ढों की खास साइज पहचानने के लिए तैयार किया गया। ESSA ने बहुत तेजी से चांद की सतह को स्कैन करके ये दो नई गुफाएं खोज निकालीं।

अंतरिक्ष यात्रियों के लिए सुविधा होगी: इन गड्ढों को साउथ मारियस हिल्स पिट (SMHP) और बेलकोविच ए पिट (BAP) नाम दिया गया है। SMHP एक ऐसे क्षेत्र में है जहां पहले से लावा ट्यूब्स होने का अनुमान है, लेकिन इसे पहले किसी ने नहीं देखा था। वहीं BAP चयन के उत्तरी ध्रुव के पास है, जहां बर्फ मिलने की संभावना है। ये गड्ढे अंडरग्राउंड गुफाओं से जुड़े हो सकते हैं, जो अंतरिक्ष यात्रियों को छोटे उल्कापिंडों से बचा सकते हैं।

डेटा का एनालिसिस तेज होगा: ये नई खोजी गई गुफाएं चांद के लूनर पिट्स एटलस में शामिल की जाएंगी। ये भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए महत्वपूर्ण हो सकती हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि ये गुफाएं चंद्रमा पर इंसानों के लिए घर बन सकती हैं। डैनियल का कहना है कि इस की वजह से अंतरिक्ष डेटा का एनालिसिस अब बहुत तेजी से हो सकता है। इससे भविष्य में और गुफाओं की खोज आसान होगी।

हेल्थ बूस्टर

ब्लैक कॉफी एक पावरफुल ड्रिंक, हार्ट और लिवर की सेहत सुधारने में मदद

अपने मॉर्निंग रूटीन में दूध वाली कॉफी की बजाय ब्लैक कॉफी को शामिल किया जाए तो इससे सेहत को अनगिनत फायदे मिलते हैं। भले ही टेस्ट में ये थोड़ी अलग लगे लेकिन इससे कई बीमारियों को दूर रखा जा सकता है। ऐसी कई स्टडीज अब तक की जा चुकी हैं, जिसमें ब्लैक कॉफी को एक पावरफुल ड्रिंक बताया गया है। यह हार्ट हेल्थ से लेकर लिवर हेल्थ को बूस्ट करने और मूड को अच्छा करने में भी मददगार है। ब्लैक कॉफी में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स और आवश्यक पोषक तत्व मौजूद होते हैं, जो शरीर को कई लाभ पहुंचाने के लिए जाने जाते हैं। मशहूर भारतीय मूल के अमेरिकी गैस्ट्रोएंटेरोलॉजिस्ट और लिवर स्पेशलिस्ट डॉक्टर सौरभ सेठी ने इस ड्रिंक को पीने के कुछ अच्छे लाभ बताए हैं।

लिवर की सुरक्षा के लिए : रोजाना ब्लैक कॉफी का सीमित मात्रा में सेवन करना आपके लिवर को प्रोटेक्ट करने में मददगार साबित हो सकता है। यह फैटी लिवर, फाइब्रोसिस और सिरोसिस के कम जोखिम से जुड़ा हुआ है। साथ ही दुनिया भर में बड़े अध्ययनों से पता चला है कि ब्लैक कॉफी पीने से हेपैटोसेलुलर कार्सिनोमा का जोखिम कम हुआ है। साथ ही दुनिया भर में हार्ट अटैक, हार्ट फेलियर समेत तमाम दिल से जुड़ी बीमारियों का खतरा बढ़ता जा रहा है। ऐसे में आप अपने दिल को सेहतमंद बनाए रखने के लिए ब्लैक कॉफी का सेवन शुरू कर सकते हैं। क्योंकि मॉडरेट मात्रा में कॉफी का सेवन हार्ट फेलियर और स्ट्रोक के कम जोखिम से जुड़ा हुआ है।

ब्रेन के लिए लाभकारी: इसके अलावा ब्लैक कॉफी आपके मस्तिष्क के लिए भी एक सुपरड्रिंक है, जो सतर्कता और एकाग्रता बढ़ाने के साथ मूड में सुधार कर सकता है और डिप्रेशन के खतरे को कम कर सकता है। इतना ही नहीं आप इसके नियमित सेवन से अल्जाइमर और पार्किंसंस का खतरा कम कर सकते हैं। केवल इतना ही नहीं इसमें मौजूद पॉलीफेनोल्स ऑक्सीडेटिव तनाव को कम करते हैं और इंफ्लेमेशन को शांत कर सकते हैं।

मूड और फोकस होता है बेहतर: अगर आप रोजाना सीमित मात्रा में कॉफी का सेवन करते हैं तो इससे मूड सुधरता है और फोकस बढ़ता है। कई स्टडी में ब्लैक कॉफी का अलर्टनेस, एनर्जी और कंसंट्रेशन पर अच्छा प्रभाव देखा गया है। ऐसे में आप अपने मूड को बेहतर करने के लिए ब्लैक कॉफी को अपनी डाइट का हिस्सा बना सकते हैं।

ब्लड शुगर को मैनेज करने में सहायक: कॉफी का सेवन करने से शरीर में ब्लड शुगर लेवल को मैनेज करना भी आसान हो जाता है। दरअसल, यह इंसुलिन सेंसिटिविटी में सुधार करता है, जिससे टाइप 2 डायबिटीज के विकसित होने का खतरा कम होता है। ऐसे में अगर आप डायबिटीज के खतरे से बचना चाहते हैं तो इस ड्रिंक का सेवन कर सकते हैं।

अलर्ट

बच्चों में निकट दृष्टि दोष नहीं रुका तो 2050 तक आधी आबादी को मायोपिक का खतरा

बच्चों में मायोपिया या निकट दृष्टि दोष दुनिया भर में चिंता का विषय है। बच्चों में यह दिक्कत तब होती है, जब बच्चों की आईबॉल लंबी हो जाती है। इससे बच्चों को पास की चीजें साफ दिखाई देती है, लेकिन दूर की चीजें धुंधली नजर आती है। डब्ल्यूएचओ की एक रिपोर्ट के अनुसार अगर ऐसा ही चलता रहा, तो 2050 तक लगभग आधी दुनिया की आबादी मायोपिक की शिकार हो सकती है। खासकर बच्चों में जल्दी मायोपिया शुरू होने से भविष्य में गंभीर आंखों की समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है। इन समस्याओं में रेटिना कंस्ट्रक्शन और ग्लूकोमा जैसी गंभीर बीमारियां शामिल है।

मायोपिया एक जेनेटिक बीमारी होती है। अगर माता-पिता में से कोई मायोपिक है तो बच्चे में इसका खतरा बढ़ जाता है। वहीं अगर माता और पिता दोनों ही इससे प्रभावित हो तो इसका खतरा और भी ज्यादा होता है। रिसर्च बताती है कि हमारे जीन आंखों की वृद्धि को प्रभावित करते हैं और इसी अनुवांशिकता के कारण आईबॉल लंबा हो सकता है। जिससे दूर की चीजें धुंधली दिखाई दे सकती है, लेकिन दुनिया भर में बढ़ रहे मायोपिया के पीछे केवल जीन ही एकमात्र वजह नहीं है।

डॉक्टरों के अनुसार आजकल बच्चों की लाइफस्टाइल मायोपिया बढ़ाने के बड़ा कारण बन रही है। फोन और लैपटॉप जैसी चीजों पर लंबे समय तक पढ़ाई करना, गेम खेलना, बच्चों की आंखों पर दबाव डालता है। जबकि आउटडोर गेम खेलने और नेचुरल सनलाइट में समय बिताने से बच्चों की आंखें सुरक्षित रहती है। रिसर्च बताती है कि रोजाना 90 से 120 मिनट नेचुरल सनलाइट में समय बिताने से आंखों की असामान्य वृद्धि को धीमा किया जा सकता है। लेकिन शहरों में जगह की कमी, एग्जाम का प्रेशर और बाहर खेलने के कम मौके बच्चों के लिए इस सुरक्षा को कम कर रहे हैं।

डॉक्टरों के अनुसार, मायोपिया को रोकने या कम करने में जीन से ज्यादा रोजमर्रा की आदतें जरूरी होती है। ऐसे में बच्चों को लेकर पेरेंट्स छोटे-छोटे बदलाव करके भी मायोपिया के खतरे को कम कर सकते हैं। पेरेंट्स हर साल बच्चों की आंखों की जांच करा सकते हैं, ताकि समय पर यह समस्या पकड़ में आए। बच्चों को रोजाना कम से कम एक से दो घंटे बाहर खेलने भेजें। वहीं बच्चों का स्क्रीन टाइम सीमित करें और मोबाइल या लैपटॉप पर लगातार समय बिताने से रोकें। इसके अलावा माता-पिता बच्चों पर 20-20-20 का नियम भी अपना सकते हैं, जिसमें हर 20 मिनट पढ़ाई या स्क्रीन देखने के बाद 20 सेकंड के लिए 20 फीट दूर देखना होता है। वहीं बच्चों के खाने में विटामिन ए, सी और ओमेगा-3 से युक्त शामिल करने से भी इस समस्या को कम किया जा सकता है।

ताकू प्रूफरेंज का विस्तार बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा

हम अपनी जन्मभूमि, जंगल,जमीन और गांव को नहीं छोडेंगे, ये हमारा संकल्प है- आदिवासी नेता फागराम

आदिवासी समुदाय एक बार फिर संघर्षरत, सड़क पर उतरकर सरकार के खिलाफ बोला हल्ला

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जल, जगंल और जमीन की सुरक्षा के लिये लड़ाई लड़ने वाला आदिवासी समुदाय एक बार फिर संघर्षरत हो चला है। इस बार आदिवासी अकेले नहीं है। उनके साथ और भी समुदय के लोग सड़क पर उतरकर सरकार के खिलाफ हल्ला बोल रहे है। इसकी बानगी या यू कहे कि एक तस्वीर बुधवार को नर्मदापुरम में कलेक्ट्रेट के गेट पर दिखाई दी। जहां करीब एक हजार ग्रामीण अपने अधिकारों के लियें कदम ताल कर प्रशासन से अपना हक मांगने पहुचें थे। दरअसल प्रूफरेंज का विस्तार किया जा रहा है। इसके लिए इटारसी स्थित केन्द्रीय परीक्षण संस्थान ने ताकू प्रूफरेंज का विस्तार दक्षिण में 12किमी, पश्चिम में 8किमी तक बढ़ाने का प्रस्ताव सरकार को भेजा है। इस विस्तार की जद में नर्मदापुरम और बैतूलजिले के लगभग 49 गांव आ रहें है। जिसके चलते गांवो की 34 हजार 500से अधिक आबादी के प्रभावित होने की आशंका है।

इस कारण से बड़ी संख्या में ग्रामीण प्रूफरेंज के विस्तार को विरोध कर रहे है। बुधवार प्रूफरेंज विस्तार विरोध संघर्ष समिति के बैनर तले नर्मदापुरम आदिवासी ब्लॉक केसला और बैतूल जिले के ग्रामीण नर्मदारपुरम के गुप्ता ग्रांउड में एकत्र हुये और यहा से हक अधिकार रैली के रूप में कलेक्ट्रेट कार्यालय पहुचें और कलेक्ट्रेट के गेट पर धरना दिया। हालाकि कलेक्टर तो जिले से बाहर थी जिसके चलते ग्रामीणों ने राष्ट्रपति और रक्षामंत्री के नाम ज्ञापन एडीएम को सौपा। इस दौरान सिटी मजिस्ट्रेट बृजेंद्र रावत,इटारसी एसडीएम नीरज शर्मा,यातायात डीएसपी संतोष मिश्रा,कोतवाली थाना प्रभारी कंचन सिंह ठाकुर सहित मौके पर भारी पुलिस बल तैनात रहा।

तीन मांगों को लेकर दिया ज्ञापन

कलेक्ट्रेट कार्यालय के गेट पर एक ग्रामीणों ने तीन मांगो का पूरा करने के सबंध में राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपा है। रैली और धरने का नेतृत्व कर रहे आदिवासी नेता फागराम ने अधिकारियों के समक्ष ज्ञापन पढ़कर सुनाया। ग्रामीणों की मांग है। कि प्रूफरेंज विस्तार को रद्द किया जाये।क्षेत्रीय सांसद ने द्वारा रक्षा मंत्रालय को भेजा गया प्रूफरेंज विस्तार का प्रस्ताव को वापस लिया जाये और नर्मदापुरत और बैतूल जिले में सरकार द्वारा किसी भी गांव को न उजाड़ा जायें। रैली और धरने में ग्रामीणों ने जमकर नारे बाजी की। नर्मदापुरम में लड़ेगे तो जीतेगें, भोपाल-दिल्ली की सरकार होश में आओं,गांव उजाड़ना बंद करों,क्षेत्र के विधायक सांसद होश में आओं जैसे नारे गूंजे।

समर्थन देने पहुंचे कांग्रेस कार्यकर्ता

प्रुफरेंज विस्तार विरोध संघर्ष समिति द्वारा किए जा रहे आंदोलन को समर्थन देने कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शिवाकांत पांडे,पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ नर्मदापुरम पहुचें थे जहा धरने के दौरान कांग्रेस नेता ने फागराम को कांग्रेस की तरफ से समर्थन देने की बात कही तो फागराम ने कहा कि पहले ज्ञापन तो देदे फिर आप कर देना समर्थन। वही जब पत्रकारो ने फागराम से कांग्रेस के समर्थन देने का सवाल पूछा तो उन्होने कहा कि कांग्रेस की बात है कांग्रेस से पूछियें,वो किसको समर्थन कर रहे है हम को नही मालूम। उनको तो पहले ही मुद्दा उठाना चाहियें था वो विपक्ष में।आज क्यो नही बोल रहे है। क्यो चुप्पी साधे है। पूरे आंदोलन का नेतृत्व कर रहे आदिवासी नेता फागराम ने मीडिया से चर्चा करते हुये कहा कि प्रूफरेंज विस्तार के नाम पर सीपीई द्वारा एक पत्र जारी किया गया है।

नपाध्यक्ष ने किया निर्माण कार्य का शुभारंभ

नर्मदापुरम। नगरपालिका परिषद द्वारा नगर में लगातार विकास के कार्य किए जा रहे हैं। इसी कड़ी को आगे बढ़ाते हुए बुधवार को नगरपालिका अध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव द्वारा वार्ड 11 में करीब 37 लाख की लागत से बनने वाली नाली निर्माण का कार्य प्रारंभ कराया गया। इस अवसर पर वार्ड पार्षद गणेश बाबरिया सहित वार्ड उपस्थित थे। नाली निर्माण कार्य प्रारंभ होने पर स्थानीय वार्डवासियों द्वारा नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव का पुष्पमालाओं से स्वागत कर आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर वार्डवासियों को संबोधित करते हुए नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव ने कहा कि हमारी परिषद बगैर किसी भेदभाव के सभी का विकास, सभी का साथ और सभी के विश्वास के साथ कार्य कर रही है। आगामी दिनों में वार्ड सहित नगर को भव्य सौगात मिलेगी। जिसके आप सभी साक्षी होंगे। उन्होंने वार्डवासियों से कहा कि आगामी त्यौहारों पर हमारे देश में ही बने सामानों का उपयोग कर देश को मजबूती प्रदान करें। साथ ही अपने आसपास के लोगों को स्वदेशी सामान खरीदने के लिए जागरूक करेंगे। जिससे हमारे देश की अर्थव्यवस्था और स्थानीय व्यापारीगण मजबूत होंगे। हमारे परंपरागत व्यवसाय को नई गति मिलेगी।

नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर 10 को

नर्मदापुरम। नर्मदा अपना अस्पताल में 10 अक्टूबर को निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया जाएगा। यह शिविर सुबह 11 बजे से दोपहर 2-30 बजे तक डबल फाटक, हरदा बायपास स्थित अस्पताल परिसर में आयोजित होगा। शिविर में कार्डियोलॉजी, न्यूरो-सर्जरी, स्पाइन, ट्रॉमा, ऑर्थोपेडिक्स, जनरल सर्जरी, स्त्री रोग, कैंसर, नेत्र रोग सहित कई विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा निशुल्क परामर्श और जांच की जाएगी। इसमें हार्ट सर्जन डॉ. मोहित जैन, न्यूरो एवं स्पाइन सर्जन डॉ. सौरभ श्रीवास्तव, ट्रॉमा व ऑर्थोपेडिक विशेषज्ञ डॉ. राजेश शर्मा, जनरल सर्जन डॉ. सौरभ रघुवंशी, महिला रोग विशेषज्ञ डॉ. अनन्या रघुवंशी, हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ डॉ. रवि चढ़ार, कैंसर विशेषज्ञ डॉ. अनुपम मालवीय, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. सत्यवीर सिंह अपनी सेवाएं देंगे। अस्पताल के मीडिया प्रमुख मनोज सारन ने बताया कि मरीज अपनी पुरानी जांच रिपोर्ट जैसे पर्चे, एक्सरे, ईको, ईसीजी, एमआरआई आदि साथ लाएं। शिविर में हड्डियों की कैल्शियम मात्रा की जांच और फेफड़ों की जांच पूरी तरह निशुल्क की जाएगी।

शीतल डोंगरे ने इटारसी इकाई से किया संपर्क

इटारसी। अखिल भारतीय नार्मदीय ब्राह्मण समाज महिला महासभा अध्यक्ष पद की प्रत्याशी श्रीमती शीतल डोंगरे इटारसी पहुंची एवम श्री दुर्गा नवग्रह मंदिर लकड़गंज में इटारसी महिला इकाई की पदाधिकारी से उन्होंने मुलाकात की। श्रीमती शीतल डोंगरे ने कहा कि आगामी नवंबर माह में महासभा की महिला अध्यक्ष का निर्वाचन होना है जिसमें अध्यक्ष पद की प्रत्याशी में हूं यदि मैं इस पद पर निर्वाचित होती हूं तब मेरा पहला दायित्व होगा की सामाजिक महिलाओं की उन्नति के लिए मैं निरंतर प्रयास करूं और सामाजिक महिलाओं और युवतियों को कौशल विकास के साथ-साथ रोजगार कि दिशा में आगे ले जा सकूं। इटारसी मुख्य इकाई के अध्यक्ष मोहन पगारे, महिला इकाई अध्यक्ष श्रीमती शकुंतला पारे,सचिव श्रीमती आभा शर्मा, श्रीमती प्रफुल्ल वाला पाराशर, श्रीमती क्षमा राजवैध, श्रीमती इंदु पगारे, श्रीमती लीला जोशी एवं इटारसी इकाई के अध्यक्ष राजेंद्र पाराशर ने अध्यक्ष पद की प्रत्याशी श्रीमती शीतल डोंगरे का पुष्पहार से स्वागत किया। शीतल डोंगरे के साथ आए मनीष डोंगरे एवं श्रीमती जागृति डोंगरे शल हितेंद्र शर्मा का भी पुष्पहार से स्वागत किया गया।

तेंदुए के तीन शावकों की मौत, मिले चोटों के निशान

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व (एसटीआर) और सामान्य वन क्षेत्र में वन्यप्राणियों की मौत का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले तीन से चार महीने में बाघ - तेंदुए की हुई मौत ने वन विभाग की कार्यप्रणाली पर कई तरह के सवाल खड़े कर दिए है। तीन शावकों के शव मिले है घटना सुखतवा वन रेंज के चाटुआ बीट के कंपार्टमेंट आरएफ 277 की बताई जा रही है। तीनों शावकों के शव नाले के पास करीब 100 मीटर के दायरे में मिले है । फॉरेस्ट चौकीदार की सूचना पर सीसीएफ अशोक कुमार चौहान, प्रभारी डीएफओ अनिल चोपड़ा और एसडीओ मानसिंह मरावी मौके पर पहुंचे।शावकों की उम्र करीब 7 से 8 माह बताई गई है। डॉ. गुरुदत्त शर्मा की टीम ने तीनों शावकों का पोस्टमार्टम किया। शावकों का अंतिम संस्कार मौके पर ही किया गया। डॉक्टरों के अनुसार, तीनों शावकों के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान मिले। गर्दन, रीढ़ और अन्य हड्डियां टूटी मिलीं। यह बड़े जानवर के हमले का संकेत हैं।

चार माह में वन्य प्राणियों की मौत

5 जुलाई : एसटीआर के बागड़ा बफर में तेंदुए का शव मिला।
12 अगस्त : मढ़ई में बाघ का शव मिला।
22 अगस्त : तवा नदी के बैंक वाटर, ग्राम बड़छापड़ा के पास टाइगर का शिकार..पंजा काटकर ले गए शिकारी
1 सितम्बर : पावर ग्रिड क्षेत्र में करंट से तेंदुए की मौत।इससे पहले ऑर्डिनेंस फैक्टी में भी तेंदुए का शव मिला था
8 अक्टूबर : तेंदुए के तीन शावकों के शव मिले..

एक लाख की रिश्वत लेते सरपंच प्रतिनिधि एवं सहयोगी गिरफ्तार

खरगौन, दोपहर मेट्रो

ग्राम पंचायत छोटी कसरावद में लोकायुक्त पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए सरपंच पति सुरजीत सिंह और उसके सहयोगी धर्मेंद्र सिंह राठौर को एक लाख रुपए की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। यह रिश्वत एक कृषक से उसकी कृषि भूमि तक पहुंचने वाले रास्ते को

बंद न करने के एवज में मांगी गई थी। लोकायुक्त पुलिस निरीक्षक आशुतोष मिठास के अनुसार, शिकायतकर्ता अंतिम जैन निवासी समर्थ सिटी, इंदौर की ग्राम छोटी कसरावद पंचायत भवन के सामने कृषि भूमि है। उक्त भूमि के पास से होकर एक सार्वजनिक मार्ग गुजरता है। सरपंच पति सुरजीत सिंह और धर्मेंद्र सिंह राठौर ने शिकायतकर्ता को धमकी दी कि यदि उसने मांग पूरी नहीं की तो वे श्रास्ता बंद कर देंगे। इसके एवज में उन्होंने 25 लाख रुपए की रिश्वत मांगी थी। पीड़ित ने इस संबंध में लोकायुक्त पुलिस एसपी से शिकायत की। सत्यापन के बाद पुलिस ने ट्रैप की योजना बनाई। आरोपियों ने पहली किश्त के रूप में एक लाख रुपए नकद स्वीकार किए, तभी लोकायुक्त ने दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

यूरिया न मिलने से आक्रोशित किसानों ने किया चक्काजाम

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

नवीन कृषि उपज मंडी रोड पर किसानों ने यूरिया खाद न मिलने से सड़क पर चक्काजाम कर दिया। आक्रोशित किसानों ने अपनी मोटरसाइकिलें व ट्रैक्टर-ट्रॉलियां सड़क पर खड़ी कर नारेबाजी शुरू कर दी। चक्काजाम से सड़क के दोनों ओर से आने-जाने वाले वाहनों की लंबी लंबी कतारें लग गईं जिससे राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। किसानों का कहना था कि उन्हें बुधवार को वेयरहाउस से यूरिया खाद वितरण की सूचना मिली थी। जिसके चलते कई किसान रात से ही अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर लाइन में लग गए थे। पोर्टल से पंजीयन होने के बाद भी खाद यूरिया का वितरण नहीं किया जा रहा जिससे किसान अपनी फसलों को लेकर परेशान है वहीं वेयरहाउस पर किसानों के नाम की लिस्ट भी चस्पा की गई हैं जिसमे पंजीयन धारी किसानों के नाम भी मौजूद है उसके बाद भी अधिकारियों द्वारा यह बताया गया कि अब यूरिया खाद यहां से नहीं दी जाएगी।

बुजुर्ग और महिला किसानों को भी होना पड़ा परेशान

सिरोंज। खाद के संकट के समाधान को लेकर प्रशासन की व्यवस्था पूरी तरह फेल साबित हो रही है। चक्काजाम के बाद सुबह जब सरकारी खाद गोदाम पर खाद वितरण शुरू हुआ तो इसके बाद भी किसानों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ा। कतार में फंस रहे हर किसान की पहली कोशिश टोकन को प्राप्त करना रही। इस कतार में युवाओं के साथ ही बड़ी संख्या में बुजुर्ग और महिलाएं भी शामिल थीं। पैकाली में रहने वाले हरनाथ सिंह ने बताया कि टोकन लेने के लिए सुबह 4 बजे से यहां पर आया हूं लेकिन इसके बाद भी नंबर नहीं आ सका। घुटुआ के किसान अरमान सिंह यादव ने बताया कि 6 बजे से इस उम्मीद से कतार में लगा था कि टोकन मिल जाएगा। हंगामा होने के बाद कतार भी खत्म हो गई और नंबर भी गायब हो गया। अब टोकन भी मिलेगा या नहीं पता नहीं। अधिकारियों को यहां पर पहले से ही व्यवस्था करना चाहिए थी। जरूरतमंद किसानों को खाद ही नहीं मिल सकेगा।

भावांतर भुगतान योजना के लिए निकाली रैली

गंजबासौदा। सोयाबीन खरीफ भावांतर भुगतान योजना के प्रचार प्रसार हेतु नवीन मण्डी प्रांगण से ट्रेक्टरों व विभिन्न प्रकार के चार पहिया वाहन एवं दो पहिया वाहनों के माध्यम से विशाल रैली आयोजित की गई। जिसमें विधायक प्रतिनिधि तरवर सिंह रघुवंशी, जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि देवेन्द्र सिंह रघुवंशी, अनुविभागीय एवं भारसाधक अधिकारी संतोष विटोलिया. एसएडीओ सूर्यभान सिंह थानेश्वर एवं मण्डी सचिव सोहनलाल सहित मण्डी कर्मचारी उपस्थित रहें। रैली के माध्यम से भावांतर भुगतान योजना का लाभ लेने हेतु अधिक से अधिक कृषकों को सोयाबीन का पंजीयन कराये जाने एवं कृषि उपज को मंडियों में भावांतर योजना अन्तर्गत विक्रय किये जाने हेतु सूचना प्रसारण ध्वनि यंत्रों तथा बेनर फ्लेक्स के माध्यम से प्रसारित की गई। रैली नवीन मण्डी प्रांगण से प्रारम्भ होकर मुख्य चौराहों से होते हुये निकाली गई।

मेट्रो एंकर भोजपुर विधानसभा के चार कार्यकर्ताओं को मिली भाजपा जिला कार्यकारिणी में अहम जिम्मेदारी

भाजपा में भाई-भतीजावाद की जगह नहीं है, यहां कार्यकर्ता की मेहनत और निष्ठा ही उसकी पहचान है: विधायक पटवा

अमित श्रीवास्तव, औबेदुल्लागंज

भारतीय जनता पार्टी जिला रायसेन की नई जिला कार्यकारिणी की घोषणा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा द्वारा की गई है। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खंडेलवाल की सहमति से घोषित इस कार्यकारिणी में भोजपुर विधानसभा क्षेत्र के चार कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। भोजपुर से डॉ. दीपेंद्र पाल (मंडीदीप) को जिला महामंत्री नियुक्त किया गया है। वे पूर्व में भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यालय मंत्री रह चुके हैं और विद्यार्थी परिषद में संगठन मंत्री के रूप में भी सक्रिय भूमिका निभा चुके हैं। पार्टी के प्रति उनके समर्पण और संगठनात्मक कौशल को देखते हुए उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।

साथ ही भोजपुर क्षेत्र के ओमप्रकाश मीणा एवं शैलेंद्र गिरि गोस्वामी (महंत भोजपुर मंदिर) को जिला उपाध्यक्ष,

वहीं सुशील शर्मा और श्रीमती प्रार्थना चौहान को जिला मंत्री के रूप में दायित्व दिया गया है। भोजपुर विधानसभा से इन चारों कार्यकर्ताओं को जिला कार्यकारिणी में शामिल किए जाने से क्षेत्र के कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक सुरेंद्र पटवा ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दीं और

कहा कि भारतीय जनता पार्टी मात्र एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक परिवार है, जहां प्रत्येक कार्यकर्ता को उसकी योग्यता और कार्य के अनुरूप दायित्व दिया जाता है। भाजपा में भाई-भतीजावाद की कोई जगह नहीं है, यहां कार्यकर्ता की मेहनत और निष्ठा ही उसकी पहचान है। उन्होंने आगे कहा कि नवनियुक्त पदाधिकारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अंत्योदय की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करें। भोजपुर के इन युवा नेताओं की नियुक्ति से संगठन को नई ऊर्जा और मजबूती मिलेगी। भाजपा के वरिष्ठ युवा नेता एवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा के पूर्व प्रदेश मंत्री एडवोकेट रामकिशोर नंदवंशी एवं उनके मित्र मंडल ने भी डॉ. दीपेंद्र पाल को जिला महामंत्री बनने पर उनके घर जाकर पुष्पगुच्छ भेंट कर शुभकामनाएं प्रेषित कीं। रायसेन जिला कार्यकारिणी में भोजपुर विधानसभा के डॉ. दीपेंद्र पाल (जिला महामंत्री), ओमप्रकाश मीणा (जिला उपाध्यक्ष), शैलेंद्र गिरि गोस्वामी (महंतभोजपुर मंदिर) (जिला उपाध्यक्ष), सुशील शर्मा (जिला मंत्री) एवं प्रार्थना चौहान (जिला मंत्री) को शामिल किया गया है। इन सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, जनप्रतिनिधियों व कार्यकर्ताओं ने हार्दिक शुभकामनाएं दी हैं।

साइबर अपराध से बचने लोगों को पुलिस कर रही है जागरूक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा जागरूकता के अवसर पर नर्मदापुरम पुलिस द्वारा नागरिकों को साइबर अपराध से बचाव के लिए विभिन्न माध्यमों से जागरूक किया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य नागरिकों को ऑनलाइन ठगी, फिशिंग, हैकिंग, सोशल मीडिया फॉड और अन्य साइबर अपराधों से सुरक्षित रहने के लिए आवश्यक सावधानियों की जानकारी देना है।पुलिस अधीक्षक सांई कृष्णा थोटा ने बताया कि नागरिक अपने बैंक, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड, जॉब या लॉटरी से संबंधित किसी भी संदिग्ध लिंक या कॉल पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करें। साथ ही अनजान लिंक, क्यूआर कोड या किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा भेजे गए संदेशों पर क्लिक करने से बचें। जिले से संबंधित साइबर अपराध से जुड़ी किसी भी शिकायत के लिए नागरिक 1930 अथवा नर्मदापुरम सायबर पुलिस हैल्पलाइन नं 7049126590 पर संपर्क कर सकते हैं या वेबसाइटwww.cyber-crime.gov.in पर रिपोर्ट दर्ज कर सकते हैं। सायबर अपराधों पर सावधानी बरतने के लिए जिला सायबर सेल द्वारा सायबर साथी नाम से वॉट्सएप चैनल भी तैयार किया है।

सतना में फिल्मी स्टाइल में फायरिंग का खुलासा

दूसरे को फंसाने के लिए युवक पर चलवाई गोली, 4 आरोपी गिरफ्तार

सतना, दोपहर मेट्रो

जिले के टिकुरिया टोला में फिल्मी स्टाइल में दिनदहाड़े हुई फायरिंग की घटना हुई थी। कोलगवां थाना पुलिस ने 24 घंटे के भीतर इसका खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से एक पिस्टल और घटना में इस्तेमाल की गई दो बाइक बरामद हुई है। पुलिस की जांच में एक ऐसी साजिश का पर्दाफाश हुआ है जिसने सबको चौंका दिया। आरोपियों ने दुश्मनों को झूठे केस में फंसाने के लिए एक निर्दोष युवक पर जानलेवा हमला करवाया था।

क्या था मामला: दरअसल, 6 अक्टूबर को चंदन द्विवेदी नामक युवक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया कि वह अपने दोस्त के साथ टिकुरिया टोला में खड़ा था। तभी दो बाइक पर सवार चार नकाबपोश बदमाशों ने उसे जान से मारने की नीयत से कट्टे से फायर कर दिया। गोली चंदन को न लगकर पास में खड़ी एक होंडा अमेज कार में जा लगी। इसके बाद बदमाशों ने एक और हवाई फायर किया और फरार हो गए। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया था। शिकायत मिलने के बाद कोलगवां पुलिस ने मामले की जांच शुरू की थी। सीसीटीवी फुटेज और मुखबिरों की सूचना के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लिया। पूछताछ में जो कहानी सामने आई, उसे सुनकर पुलिस भी हैरान रह गई। पुलिस के अनुसार, इस पूरी साजिश के मास्टरमाइंड देव पटारिया और कान्हा कुशवाहा थे। देव पटारिया की पुरानी रंजिश विराट बिंद और निलय सिंह नामक युवकों से थी। उसने अपने दुश्मनों को फंसाने के लिए एक खतरनाक योजना बनाई। प्लान के अनुसार सोमवार के दिन विपुल, रवि,अंश और साहिल ने चंदन पर फायरिंग की। वहीं, मास्टरमाइंड देव पटारिया और कान्हा कुशवाहा गवाह बनने के लिए घटनास्थल के आसपास ही मौजूद रहे। फायरिंग के बाद उनका प्लान निलय को फंसाने का था। हालांकि उनकी साजिश नाकाम हो गई। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए फायरिंग करने वाले चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। इसमें एक साजिशकर्ता भी शामिल है।

घटना के बाद रातभर हंगामा मचा, नारेबाजी कर जताया विरोध

RSS प्रचारक के साथ SI ने की बदतमीजी, थाने के सामने कार्यकर्ताओं ने किया हनुमान चालीसा का पाठ

चार घंटे बाद पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने एसआई कौशलेन्द्र बघेल को किया लाइन अटैच

सीहोर, दोपहर मेट्रो

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 12 अक्टूबर को प्रस्तावित पथ संचलन के लिए रात करीब 11.15 बजे बाल विहार मैदान जगह देखने पहुंचे आरएसएस के सीहोर जिला प्रचारक के साथ कोतवाली थाने में पदस्थ एसआई कौशलेन्द्र सिंह बघेल ने बदतमीजी कर दी। आरएसएस जिला प्रचारक शाश्वत सक्सेना के साथ नगर प्रचारक राहुल राजपूत, नगर कार्यवाह प्रताप मेवाड़ा, सह नगर कार्यवाह आदित्य परमार भी थे।

नगर प्रचारक राहुल राजपूत और सह नगर कार्यवाह परमार ने एसआई बघेल को खूब समझाया, लेकिन वे अपनी हरकत से बाज नहीं आए। मामला बढ़ा तो विधायक सुदेश राय ने हस्तक्षेप किया, पर एसआई बघेल की वर्दी का रौब कम नहीं हो सका। अंत में रात करीब 1.30 बजे हिन्दूवादी संगठन कोतवाली थाने पहुंचे। नारेबाजी और हनुमान चालीसा का पाठ किया, तब कहीं चार घंटे बाद पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार शुक्ला ने एसआई कौशलेन्द्र बघेल को लाइन अटैच किया। पुलिस के मुताबिक एसआई बघेल के राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के जिला प्रचारक सक्सेना से बदतमीजी करने को लेकर सह नगर कार्यवाह आदित्य परमार की तरफ से कोतवाली थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई गई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने मामले में जांच के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई होने की बात कह रही है। लाइन अटैच एसआई कौशलेन्द्र सिंह बघेल के व्यवहार को लेकर यह पहला मामला नहीं है, इससे पहले भी इनकी कई गंभीर शिकायतें अफसरों के पास पहुंची है, लेकिन यह बचते रहे है। इस मामले में बघेल के खिलाफ जल्द ही सख्त कार्रवाई होने की उम्मीद है। बताया जा रहा है कि जिले के आला अफसरों के साथ संघ के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया है। आरएसएस के जिला प्रचारक शाश्वत की छवि संगठन से लेकर आमजन तक काफी अच्छी मानी जाती है, वे न केवल शांत और अकेले रहकर काम करना पसंद करते हैं। बाल विहार मैदान की घटना को लेकर रात को ही संघ के पदाधिकारियों ने विधायक से शिकायत की। विधायक ने कोतवाली टीआई रविंद्र यादव को कॉल किया, संघ के पदाधिकारियों को भी लाइन पर लिया, संघ के पदाधिकारी इस बात पर सहमत हो गए कि एसआई माफी मांग ले तो मामला खत्म हो जाएगा, लेकिन इस बात पर एसआई बघेल तैयार नहीं हुए।

विधायक, टीआई और संघ के नेताओं ने की बातचीत, नहीं माने एसआई

संघ के पदाधिकारी रात 11.15 बजे 8 अक्टूबर को पथ संचलन के लिए होने वाले भूमिपूजन के लिए बाल विहार मैदान देखने गए थे। संघ के पदाधिकारी कलेक्टर बंगले की दीवार के पास तिराहे पर खड़े होकर बातचीत कर रहे थे, तभी एसआई कौशलेन्द्र बघेल दो-तीन पुलिसकर्मियों के साथ गाड़ी से पहुंच गए। एसआई ने संघ के पदाधिकारियों से रात में बाल विहार मैदान में खड़े होने का कारण पूछा। उन्होंने बताया कि वह पथ संचलन के लिए बाल विहार मैदान का निरीक्षण कर रहे हैं। कुछ परिचित संघ के पदाधिकारियों ने एसआई बघेल को यह भी बताया गया कि वह सभी संघ के पदाधिकारी हैं, उनके साथ कोई भी बाहरी व्यक्त नहीं है, लेकिन एसआई नहीं माने, उन्होंने वर्दी का रौब दिखाना शुरु कर दिया। बताया जा रहा है कि बघेल हाथापाई करने वाले थे, लेकिन नगर प्रचारक राहुल राजपूत ने रोक लिया। इस दौरान तत्काल कोतवाली टीआई रविंद्र यादव को फोन कर संघ के पदाधिकारियों ने एसआई बघेल के रवैए के बारे में बताया, तब कहीं ये मौके से गए।

हस्ताक्षर करने के लिए मैडम को चाहिए थे 30 हजार रुपए, लोकायुक्त ने रंगे हाथ पकड़ा तो बंद हो गईं आंखें

मंदसौर, दोपहर मेट्रो

उज्जैन लोकायुक्त की टीम ने मंदसौर में बड़ी कार्रवाई की है। फरियादी की शिकायत पर महिला प्रशासक को 15,000 रुपए की रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया है। महिला प्रशासक ने साइन करने के बदले में फरियादी से 30000 रुपए की मांग की थी। लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथों दबोच लिया है।

दरअसल, मंदसौर निवासी प्रभुलाल धनगर ने उज्जैन लोकायुक्त से शिकायत की थी। जिला थोक उपभोक्ता सहकारी भंडार की प्रशासक हिमांगिनी शर्मा नोटशीट पर साइन करने के लिए 30000 रुपए की मांग कर रही हैं। फरियादी की शिकायत पर लोकायुक्त टीम ने मामले का सत्यापन किया। सत्यापन में यह मामला सही निकला। इसके बाद प्रशासक हिमांगिनी शर्मा को ट्रैप करने के लिए दल का गठन किया गया।

फरियादी प्रभुलाल धनगर रिश्वत की पहली किश्त 15000 रुपए लेकर सहकारी भंडार के दफ्तर पहुंचा। लोकायुक्त की टीम भी प्लान के मुताबिक पहुंच चुकी थी। फरियादी ने जैसे ही रिश्वत की राशि हिमांगिनी शर्मा के हाथों में दी। वैसे ही लोकायुक्त की टीम ने हिमांगिनी शर्मा को रंगे हाथों दबोच लिया है। लोकायुक्त की तरफ से पकड़े जाने की तस्वीर जारी की गई है।

किसान से मारपीट कर सोने की चेन और 20हजार रुपए छीने

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

जिले के सेमरी हरचंद में खाद वितरण केंद्र पर किसानों के बीच कतार को लेकर विवाद हो गया। विवाद बढ़ने पर चार लोगों ने मिलकर सोहागपुर निवासी किसान शिवाकांत रघुवंशी के साथ मारपीट की। पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपियों ने उसकी सोने की चेन और जेब में रखे 20 हजार रुपए भी छीन लिए।देर रात पुलिस ने मामले की जांच शुरू की है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी रानीगोहन गांव के अशोक पटेल, छोटू पटेल और उनके दो साथी हैं। सभी लोग सेमरी हरचंद के डबल लॉक गोदाम पर खाद लेने पहुंचे थे, जहां यह झगड़ा हुआ। एसडीओपी संजू चौहान ने बताया कि फरियादी की शिकायत पर मारपीट और लूट का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच शुरू कर दी गई है।

सिवनी में बाइक भैंस से टकराई मौके पर ही युवक ने तोड़ा दम

सिवनी, दोपहर मेट्रो

जिले के डूंडा सिवनी बाईपास पर देर रात तेज रफ्तार बाइक बेकाबू होकर एक भैंस से टकरा गई, जिससे बाइक सवार विजय यादव (32) की इलाज के दौरान मौत हो गई। जानकारी के अनुसार, विजय यादव डूंडा सिवनी से गाडरवाड़ा की ओर जा रहे थे। बाईपास के पास उनकी बाइक फिसलने से यह दुर्घटना हुई। हादसे में उनके सिर, हाथ, पैर और शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोटें आई।

प्रत्यक्षदर्शियों ने तुरंत पुलिस और 108 एंबुलेंस को सूचना दी। घायल विजय यादव को जिला चिकित्सालय ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

बालाघाट कलेक्टर की फर्जी आईडी बनाकर ठगी करने वाला गिरफ्तार

बालाघाट, दोपहर मेट्रो

बालाघाट कलेक्टर मृणाल मीणा की फर्जी फेसबुक आईडी बनाकर उनके परिचितों से ठगी का प्रयास करने वाले एक आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने खुद को सीआरपीएफ का अफसर बताकर उज्जैन जिला पंचायत अकाउंट ऑफिसर यशवंत गोठवाल से ऑनलाइन ठगी की थी, जिसके बाद यह पूरा मामला सामने आया। यह घटना लगभग 18 सितंबर को सामने आई थी, जब कलेक्टर की शिकायत के बाद पुलिस और साइबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई शुरू की। पुलिस टीम ने 80 से अधिक मोबाइल नंबरों, आईएमईआई और बैंक खातों की जांच की। जांच के आधार पर पुलिस टीम ने उत्तर प्रदेश, राजस्थान और हरियाणा के सीमावर्ती क्षेत्रों में लगातार दबिश दी। पुलिस ने आरोपी जावेद पिता कासम मुसलमान (30) को राजस्थान के डीग जिले के कैथवाड़ा थाना अंतर्गत खेड़ा गांव से पकड़ा। वहीं दूसरा आरोपी परवेज फरार है। जिसकी पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है।

झोलाछाप डॉक्टर पर कार्रवाई

स्वास्थ्य विभाग ने जांच कर सील किए क्लीनिक

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

छिंदवाड़ा में कोल्ड्रिफ कफ सिरप से बच्चों की मौत के मामले के बाद हरकत में आए नर्मदापुरम के स्वास्थ्य अमले ने ग्रामीणों को आसानी से उपलब्ध होने वाले झोला छाप डाक्टरों की क्लीनिक को सील कर दिया है। नर्मदापुरम जिले में स्वास्थ्य विभाग ने इटारसी और डोलरिया क्षेत्र में की छापेमारी की। इस छापेमारी में बिना डिग्री के इलाज कर रहे तीन झोलाछाप डॉक्टरों के क्लीनिक सील किए गए। जांच के दौरान इन क्लीनिकों पर मरीजों को ड्रिप लगाते और एलोपैथिक दवाएं देते हुए पाया गया। टीम ने भारी मात्रा में एलोपैथिक दवाएं भी जब्त की हैं।

साहब... कब्जा हटाया तो हम बेरोजगार हो जाएंगे

वन भूमि पर प्लांटेशन के विरोध में पहुंचे कब्जेदार

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

वनभूमि पर सालों से कब्जा करने वाले अमीरगढ़ पंचायत के अनेक कब्जेदार बुधवार को एसडीएम और रेंजर के पास अपनी बात लेकर पहुंचे। इन लोगों ने अधिकारियों को दिए आवेदन में बताया कि हम सालों से वन भूमि को जोत रहे हैं। अब वन विभाग द्वारा इस क्षेत्र में 3 प्लांटेशन किए जा रहे हैं। यदि प्लांटेशन होता है तो हमारे सामने रोजीरोटी का संकट पैदा हो जाएगा और मजदूरी के बाहर जाना पड़ेगा। उन्होंने वन भूमि पर होने वाले प्लांटेशन को रूकवाने की मांग की। सूत्र बताते हैं कि इस क्षेत्र में कई प्रभावी लोगों ने वन भूमि पर सालों से अवैध कब्जा कर रखा है। अब जब वन विभाग यहां पर प्लांटेशन की तैयारी कर रहा हैं तो इन प्रभावी लोगों ने सुनियोजित तरीके से विरोध करवाना शुरू कर दिया है। रेंजर बृज मीना ने बताया कि इस क्षेत्र में तीन प्लांटेशन किए जाना है। इस प्रक्रिया में यदि किसी का वन भूमि पर अवैध कब्जा है तो उसे हटाया जाएगा।

मेट्रो एंकर

69 वीं राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता का भव्य समापन

आर्चरी में जबलपुर को ओवरऑल चैंपियनशिप का गौरव

इटारसी, दोपहर मेट्रो

नगर में आयोजित 69वीं राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा उपस्थित रहे, समारोह की अध्यक्षता नपा अध्यक्ष पंकज चौरे ने की। विशेष अतिथियों के रूप में भाजपा नगर अध्यक्ष राहुल चौरे, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण नर्मदापुरम् डॉ. मनीष वर्मा, जिला शिक्षा अधिकारी श्रीमती ज्योति प्रहलादी एवं एस डी एम निलेश शर्मा ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

समारोह का शुभारंभ सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल द्वारा प्रस्तुत स्वागत गीत से हुआ, इसके पश्चात टी.आर.एम. स्कूल के बैंड द्वारा राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। प्रतियोगिता के परिणामों की घोषणा के दौरान सर्वप्रथम जनजातीय कार्य विभाग की 14 वर्ष बालिका वर्ग की टीम को फुटबॉल मे प्रथम स्थान प्राप्त होने पर विजेता ट्रॉफी प्रदान की गई। इंदौर संभाग को द्वितीय स्थान एवं भोपाल संभाग को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

जबलपुर संभाग को आर्चरी मे ओवरऑल चैंपियनशिप का खिताब दिया गया। आवास व्यवस्था में सहयोग के लिए जीनियस प्लैनेट स्कूल, एक्सीलेंस इंटरनेशनल पब्लिक स्कूल, महावीर जैन उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गुरु नानक पब्लिक स्कूल एवं कुसुम मालपानी उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के संचालकों को सम्मानित किया गया। कंट्रोल रूम संचालन हेतु फ्रेंड्स स्कूल एवं यातायात सुविधाओं में सहयोग के लिए सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल, एमजीएम स्कूल एवं सांदीपनि विद्यालय के प्राचार्य एवं संचालकों को मंच से सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, प्रतियोगिता में उत्कृष्ट योगदान देने वाले शिक्षकों को भी विशेष सम्मान प्रदान किया गया। कार्यक्रम का स्वागत भाषण डॉ. मनीष वर्मा द्वारा दिया गया, जबकि आभार प्रदर्शन ज़िला खेल अधिकारी वंदना रघुवंशी ने किया। समारोह का संचालन डी.एन. व्यास एवं अश्विनी मालवी ने किया।

41.63 लाख गबन करने वाला प्रबंधक निलंबित

सिवनी मालवा, दोपहर मेट्रो

जिला सहकारी बैंक की शाखा शिवपुर में एक और गवन का मामला सामने आया है विते वर्ष भी शाखा प्रबंधक पटेल द्वारा लाखों रुपए का गबन का मामला अभी ठंड भी नहीं हुआ की एक दूसरा मामला सामने आ गया जिसमें समिति प्रबंधक को निलंबित करने के आदेश हुए हैं वहीं शासकीय राशि को अगर समिति प्रबंधक बैंक में जमा नहीं करता है तो पुलिस थाने में एफआरआई की कार्रवाई भी की जाएगी! अभी हाल ही में हुए आदेश मैं उल्लेख किया गया है कि बहुउद्देशीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित बिसोनी कला शिवपुर में 41 लाख 63 हजार 713 रुपये की शासकीय राशि में हेरा फेरी का एक मामला सामने आया है जिसमें आदेश हुआ है कि बहुउद्देश्यीय प्राथमिक कृषि साख सहकारी समिति मर्यादित, बिसौनील कलां मे सतीश यादव, संस्था में सहायक समिति प्रबंधक के पद पर कार्यरत है जो विगत माह फरवरी 2025 से निरंतर बिना किसी सूचना के अनुपस्थित है जिनको पूर्व में लंबे समय तक अनुपस्थित रहे तथा संस्था के दैनिक कार्यों में रूचि नहीं लेने के भी नोटिस दिए गए हैं! समिति प्रशासक की बैठक में लिये निर्णय के पालन में सतीश यादव, सहायक समिति प्रबंधक संस्था बिसौनीकलां को निलंबित किया गया है।

जिला सहकारी बैंक की शाखा शिवपुर का मामला

लड़की से सड़क पर मारपीट तो कभी खिलाड़ी पर हमला

शॉ के 5 बड़े विवाद जो उनके करियर पर लगा गए ग्रहण

नई दिल्ली। पृथ्वी शॉ एक बार फिर चर्चा में हैं। इस बार भी उनके सुर्खियों में आने की वजह उनका प्रदर्शन नहीं बल्कि विवाद है। पिछले कुछ सालों में पृथ्वी शॉ के साथ यही कहानी रही है। कभी क्रिकेट के पंडित जिस पृथ्वी शॉ को फ्यूचर का सचिन तेंदुलकर कहते थे आज वही एक्सपर्ट्स साफतौर पर कहते हैं कि शॉ की टीम इंडिया में वापसी लगभग नामुमकिन है। इसके पीछे की वजह पृथ्वी शॉ की बल्लेबाजी नहीं है बल्कि उनका ईगो, एटीट्यूड और गुस्सा है, जिसने उनके करियर पर ग्रहण लगा दिया। आइए जानते हैं वो 5 बड़े विवाद जो पृथ्वी शॉ से जुड़े रहे।।।

पहले एक नजर पृथ्वी शॉ के करियर पर

साल 2013 में जब पृथ्वी शॉ महज 14 साल के थे, तब उन्होंने मुंबई के आजाद मैदान पर कमाल किया था। हैरिस शील्ड मैच में उन्होंने 546 रन की पारी खेली थी। इस पारी में शॉ ने 85 चौके और 5 छक्के लगाए थे। इस विस्फोटक पारी के बाद वो चर्चा के केंद्र में आ गए। उसके बाद कई घरेलू मैच में शॉ का बल्ला बोलता रहा। अंडर-19 वर्ल्ड कप में भी उन्होंने कमाल किया। आलम ये हुआ कि साल 2018 में ही शॉ का टेस्ट डेब्यू हो गया। अपने डेब्यू मैच में ही वेस्टइंडीज के खिलाफ उन्होंने शतक जड़ दिया। शॉ की टेक्नीक देखकर लोग उन्हें फ्यूचर का सचिन तेंदुलकर कहने लगे। शॉ के करियर की बात करें तो उन्होंने कुल 5 टेस्ट और 6 वनडे और टी20 खेला है।

पृथ्वी शॉ से जुड़े विवाद

साल 2019 में पृथ्वी शॉ डोपिंग टेस्ट में फेल हो गए। उन्हें बीसीसीआई ने 8 महीने के लिए बैन कर दिया। शॉ ने कहा कि कफ सिरप में प्रतिबंधित सिरप मिला था, जिसके चलते उन्हें ये बैन झेलना पड़ा।

2023 में लड़की से हुई लड़ाई

साल 2023 की बात है। शॉ अपने दोस्तों के साथ लौट रहे थे। इसी बीच उनके कुछ फैन्स सेल्फी लेने के लिए उनके पास आए। इसमें एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर लड़की भी थी। दोनों में कुछ कहासुनी हुई और मारपीट तक की नौबत आ गई। इसका वीडियो भी वायरल हुआ और शॉ की खूब फजीहत हुई। कोरोना लॉकडाउन के वक्त भी शॉ ने नियमों का उल्लंघन किया और छुट्टियां मनाने गोवा चले गए। वहां पुलिस ने उन्हें पकड़ लिया। इसको लेकर खूब फजीहत हुई।आईपीएल में कई मुकाबलों के दौरान पृथ्वी शॉ का गुस्सा सातवें आसमान पर देखने को मिला। अनुशासन से वो बहुत दूर दिखे। इसका सबसे बड़ा उदाहरण है उनकी फिटनेस।उनके मोटापे को लेकर कई बार टोका गया। लेकिन शॉ नहीं सुधरे और फिटनेस पर कोई काम नहीं किया। आलम हुआ की वो टीम से बाहर हो गए।

अब मुशीर को बल्ला लेकर दौड़ाया

मुंबई और महाराष्ट्र के बीच तीन दिवसीय एक प्रैक्टिस मैच खेला जा रहा है। इस मैच में मुशीर खान ने शतक ठोकने वाले पृथ्वी शॉ को आउट कर दिया। जिसके बाद मुशीर ने थैंक्यू कहा और इस पर शॉ बुरी तरह चिढ़ गए। शॉ ने इसके बाद बैट उठाया और उन्होंने मुशीर का कॉलर पकड़ने की कोशिश भी की। अब इसे लेकर शॉ की फजीहत हो रही है।

महिला विश्व कप: जीत की हैट्रिक लगाने उतरेगा भारत

आज दक्षिण अफ्रीका से मिलेगी चुनौती शीर्ष क्रम से अच्छे प्रदर्शन की रहेगी आस

विशाखापत्तनम , एजेंसी

भारत के शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को आत्मविश्वास से ओतप्रोत दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आईसीसी महिला विश्व कप के मैच में गुरुवार को बेहतर प्रदर्शन करना होगा। भारत अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है। भारत ने भले ही पिछले दोनों मैच जीते हों लेकिन स्मृति मंधाना, कप्तान हरमनप्रीत कौर और जेमिमा रौड्रिग्स के बल्लों से रन नहीं निकलना चिंता का विषय है। तीनों श्रीलंका के खिलाफ नाकाम रहीं थी जिसके बाद हरलीन देओल, अमनजोत कौर , ऋचा घोष और दीप्ति शर्मा ने टीम को संकट से निकाला।

श्रीलंका के खिलाफ भारत ने छह विकेट 124 रन पर और पाकिस्तान के खिलाफ पांच विकेट 159 रन पर गंवा दिए थे। निचले क्रम के बल्लेबाजों का योगदान नहीं होता तो भारत की स्थिति खराब हो सकती थी। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हालांकि इस तरह की गलती नहीं की जा सकती और शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना ही होगा। अगर नतीजा भारत के पक्ष में नहीं रहता तो अंकतालिका में स्थिति खराब होने के अलावा पिछले चैम्पियन आस्ट्रेलिया के खिलाफ 12 अक्टूबर को होने वाले मुकाबले में भी टीम पर दबाव रहेगा।

इन भारतीय खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

भारतीय टीम प्रबंधन हालांकि सकारात्मक पहलू देखना चाहेगा कि स्टार बल्लेबाजों के नहीं चलने पर भी जीत टीम की गहराई को दिखाती है। लेकिन उन्हें यह स्वीकार करना होगा कि मंधाना, हरमनप्रीत और जेमिमा का बल्ला दक्षिण अफ्रीका या आस्ट्रेलिया जैसे दिग्गजों के खिलाफ खामोश रहा तो यह निर्णायक साबित हो सकता है। दूसरी ओर गेंदबाजों ने अभी तक अच्छा प्रदर्शन किया है। उन्हें यह भी देखना होगा कि एसीए . वीडीसीए स्टेडियम की पिच गुवाहाटी या कोलंबो की तरह नहीं है। दीप्ति शर्मा अभी तक छह विकेट ले चुकी है जिन्हें साथी स्पिनरों स्नेह राणा और श्री चरणी से अच्छा सहयोग मिला। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ भी प्रभावी रही हैं। बीमारी के कारण पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बाहर रही तेज गेंदबाज हरफनमौला अमनजोत कौर की फिटनेस पर भी नजरें होंगी। फिट होने पर वह टीम में रेणुका सिंह ठाकुर की जगह लेंगी।

दक्षिण अफ्रीका के इन खिलाड़ियों से रहना होगा सावधान

दक्षिण अफ्रीका ने पिछले मैच में न्यूजीलैंड को छह विकेट से हराकर वापसी की। वहले मैच में इंग्लैंड के खिलाफ 69 रन पर सिमटने के बाद टीम दस विकेट से हार गई थी। शतक जमाने वाली तजमीन ब्रिट्स और भरोसेमंद सुने लूस के अलावा कप्तान लाउरा वोल्वार्ट, मारिजन कप और एलेके बॉश से भी अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद होगी। गेंदबाजी में नोंकु एमलाबा, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास और क्लो ट्रायॉन पर नजरें रहेंगी।

दोनों टीमें इस प्रकार हैं

भारत: हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना, प्रतिका रावल, हरलीन देयोल, जेमिमा रौड्रिग्स, रिचा घोष, उमा छेत्री, रेणुका सिंह ठाकुर, दीप्ति शर्मा, स्नेह राणा, श्री चरणी, राधा यादव, अमनजोत कौर, अरूंधति रेड्डी, क्रांति गौड़।

दक्षिण अफ्रीका: लाउरा वोलवार्ट (कप्तान), अयाबोंगा खाका, क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लर्क, मारिजन कप, तजमिन ब्रिट्स, सिनालो जाफ्ता, नॉनकुलुलेको एमलाबा, एनेरी डर्कसन, एनेके बॉश, मसाबाता क्लास, सुने लूस, काराबो मेसो, तुमी सेखुखुने, नोंदुमिसो शांगासे।

बुहान ओपन: हैली को शिकस्त देकर तीसरे दौर में जेसिका पेगुला

नई दिल्ली । अमेरिका की स्टार टेनिस खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने लगातार दूसरी बार %वुहान ओपन% के तीसरे दौर में प्रवेश किया है। उन्होंने हमवतन हैली बैप्टिस्ट को तीन सेटों तक चले रोमांचक मुकाबले में 6-4, 4-6, 7-6 (6) से शिकस्त दी। यह मुकाबला 2 घंटे 55 मिनट तक चला। पेगुला का लक्ष्य 23 वर्षीय बैप्टिस्ट के खिलाफ लगातार तीसरी जीत हासिल करना था। जीत के बाद उन्होंने कहा, ÷यह मुकाबला बहुत मुश्किल रहा। आप जानते हैं कि मेरे पास मैच प्वाइंट थे, और फिर बैप्टिस्ट ने अच्छा खेलना शुरू कर दिया। मुझे बहुत गर्व है कि मैंने कैसे खुद को संभाला, क्योंकि मुझे लगता है कि मैं मैच गंवा सकती थी, लेकिन मैंने डटकर मुकाबला किया। यह एक रोमांचक मैच था। उल्लेखनीय है कि पेगुला और बैप्टिस्ट तीन साल से भी ज्यादा समय बाद पहली बार कोर्ट पर आमने-सामने आई थीं। यह मैच पेगुला का लगातार पांचवां तीन सेटों का मुकाबला था। अब जेसिका पेगुला का सामना नौवीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा से होगा, जिन्होंने दूसरे दौर में एक अन्य अमेरिकी खिलाड़ी एन ली को हराया था। दूसरी ओर, कोको गॉफ ने मोयुका उचिजिमा को 6-1, 6-0 से हराकर लगातार दूसरे साल तीसरे दौर में प्रवेश कर लिया है। यह मुकाबला सिर्फ 51 मिनट तक चला।

10 साल में खेले सिर्फ 40 मैच..

संजू सैमसन हंसते-हंसते बयां कर गए अपना सारा दर्द

मुंबई। विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन सीएट क्रिकेट रेटिंग अवॉर्ड्स 2025 में न केवल अपनी खेल प्रतिभा के लिए सम्मानित हुए, बल्कि भावनाओं में डूबकर अपने संघर्ष और मेहनत की कहानी भी सुनाई। इस मौके पर उन्हें 'टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर' का पुरस्कार मिला। हंसते-हंसते उन्होंने अपने करियर की चुनौतियों, चोटों और टीम से बाहर रहकर झेले गए कठिन पलों को साझा किया। उनके शब्दों से यह साफ हो गया कि संजू के पीछे सिर्फ आंकड़े नहीं, बल्कि वर्षों का संघर्ष, अनुभव और देश के लिए अपार समर्पण भी छिपा हुआ है। सैमसन ने कहा, जब आप भारतीय जर्सी पहनते हैं, तो किसी भी चीज के लिए 'ना' कहना संभव नहीं होता। मैंने इसे हासिल करने के लिए बहुत मेहनत की है और देश के लिए अपना काम करने में मुझे गर्व महसूस होता है। चाहे मुझे नंबर 9 पर बल्लेबाजी करनी पड़े या लेफ्ट-आर्म स्पिन गेंदबाजी करनी पड़े, मैं हमेशा टीम की जरूरत के हिसाब से तैयार हूं।

भावुक नजर आए संजू सैमसन

30 साल के संजू ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर के 10 साल पूरे होने का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, हाल ही में मैंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10 साल पूरे किए हैं, लेकिन इस दौरान सिर्फ 40 मैच ही खेल पाए। आंकड़े छोटे लग सकते हैं, लेकिन इन वर्षों में मुझे जो चुनौतियां पार करनी पड़ीं और जिस इंसान के रूप में मैं बना, उस पर मुझे गर्व है। दरअसल, इंटरव्यू के दौरान संजू सैमसन भावुक नजर आए और 10 साल में केवल 40 मैच खेलने की अपनी कहानी साझा की।

मनोरंजन | **बॉलीवुड का कोना**

कृति-कल्याणी बनीं जिनी के लिए बेली डांसर, आते ही छा गया गाना

क्या होता है जब दो ग्लैमरस अभिनेत्रियाँ एक ऑस्कर विजेता संगीतकार द्वारा प्रस्तुत अरबी शैली की रचना के लिए बेली डांसिंग क्वीन बन जाती हैं? निस्संदेह, यह दर्शकों के लिए एक शानदार दृश्य और संगीत प्रेमियों के लिए एक कर्णप्रिय अनुभव होगा। आने वाली तमिल फैंटसी ड्रामा जीनी का पहला एकल अब्दी अब्दी दर्शकों को यही पेश करता है। बता दें की फिल्म में रवि मोहन मुख्य भूमिका में हैं।

जीनी का पूरा वीडियो गीत अब्दी अब्दी रिलीज़ होते ही सोशल मीडिया पर छा गया और कृति शेट्टी और कल्याणी प्रियदर्शन के ज़बरदस्त डांस मूव्स की वजह से यह तुरंत चार्टबस्टर बन गया है। दोनों अभिनेत्रियाँ इस पाँच मिनट लंबे वीडियो गीत में अपने अनोखे बेली डांसिंग कौशल का प्रदर्शन करती हैं। उनका ग्लैमर और बेजोड़ डांस मूव्स दर्शकों का ध्यान तुरंत खींच लेते हैं। रवि मोहन अपने प्रभावशाली स्टेप्स से अपने डांस पार्टनर्स का साथ देते हैं। कृति और कल्याणी ने अपनी शानदार प्रस्तुति से समां बांध दिया और एआर रहमान ने अपनी ख़ास शैली के थिरकते संगीत के साथ इस गाने को और भी आकर्षक बना दिया। मंत्रमुग्ध कर देने वाले दृश्य और बेहतरीन ऑर्केस्ट्रेशन का सटीक मिश्रण एक बेहतरीन प्रस्तुति देता है। वेशभूषा और नृत्य निर्देशन गाने के मूड और सेटिंग के साथ पूरी तरह मेल खाते हैं। कृति शेट्टी और कल्याणी प्रियदर्शनी ने इस गाने के लिए बेली स्टाइल डांस मूवमेंट्स को आसानी से करने के लिए कड़ी ट्रेनिंग ली। एआर रहमान ने इस गाने को एक विंटेज वाइब देने में शानदार काम किया है और जिस सेट पर यह गाना फिल्माया गया है, वह बेहद खूबसूरत लग रहा है।

अब्दी अब्दी है कृति के करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव

कृति शेट्टी के लिए, अब्दी अब्दी उनके करियर में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। अपनी पिछली फिल्मों में अपने आकर्षक अंदाज़ के लिए मशहूर यह युवा अभिनेत्री इस गाने में पूरी तरह से बदल गई है, और एक आत्मविश्वासी और कामुक पक्ष पेश कर रही है जो दर्शकों ने पहले कभी नहीं देखा। बेली डांस को बिल्कुल नए सिरे से सीखना कोई आसान काम नहीं था, लेकिन कृति ने पूरी लगन से इसकी तैयारी में खुद को झोंक दिया।इस कठोर प्रशिक्षण में न केवल इस नृत्य शैली के विशिष्ट हिप मूवमेंट और उतार-चढ़ाव में महारत हासिल करना शामिल था, बल्कि कोरियोग्राफी को त्रुटिहीन ढंग से करने के लिए आवश्यक कोर स्ट्रेंथ और लचीलेपन का निर्माण भी शामिल था। इस नृत्य शैली को बिल्कुल नए सिरे से सीखने की उनकी प्रतिबद्धता हर फ्रेम में साफ़ झलकती है, जिससे अब्दी अब्दी इस सीज़न के सबसे चर्चित गानों में से एक बन गया है।

मेट्रो बाजार

भारत दुनिया का एक विश्वसनीय भागीदार और हमें इस पर गर्व है

मुंबई । केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि भारत के लिए बहुत गर्व की बात है कि पीएम मोदी के नेतृत्व और उनकी दूरदर्शी सोच के कारण देश ने टेक्नोलॉजी के सेक्टर विशेषकर फाइनेंशियल टेक्नोलॉजी के सेक्टर में अभूतपूर्व प्रगति हासिल की है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के साइडलाइन में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि आज फिनटेक लगभग हर घर और हर व्यक्ति तक पहुंचा है। भारत में 1 बिलियन यानी 100 करोड़ इंटरनेट यूजर्स हैं। उन्होंने अपनी बात पर जोर देते हुए कहा, सामान्य से सामान्य व्यक्ति भी चाहे वह ठेलेवाला ही क्यों न हो यूपीआई का इस्तेमाल कर रहा है। यहां तक कि मंदिरों में भी क्यूआर कोड के जरिए डोनेशन दिया जा रहा है। मैं मानता हूं कि टेक्नोलॉजी के आधार पर देश का विकास निश्चित है और भारत एक ग्लोबल पावर बनने जा रहा है।

पीएम मोदी को लेकर केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है और आने वाले दिनों दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जाएगा।

एसबीआई केवाईसी प्रक्रिया को सरल बनाने पर कर रहा काम : सीएस शेट्टी

मुंबई । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) और इंडियन बैंक एसोसिएशन (आईबीए) के चेयरमैन सी.एस. शेट्टी ने बुधवार को कहा कि बैंक नो योअर कस्टमर (केवाईसी) और रि-केवाईसी प्रोसेस को अधिक यूजर-फ्रेंडली बनाने पर काम कर रहा है। ग्लोबल फिनटेक फेस्ट 2025 के अवसर पर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि एसबीआई इन बदलावों को लाने के लिए नियामकों और सरकार के साथ मिलकर काम करेगा। शेट्टी ने रिपोर्टर्स से कहा, हम केवाईसी प्रक्रियाओं को सरल बनाने पर काम कर रहे हैं। भले ही इसके लिए नियामकों और सरकार के साथ बातचीत करनी पड़े, हम पूरी केवाईसी प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए एसबीआई की ओर से पहल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक द्वारा दिए गए एक्सटेंडेड ट्रांजीशन पीरियड को देखते हुए, एक्सपेक्टेड क्रेडिट लॉस (ईसीएल) आधारित परिसंपत्ति प्रावधान प्रणाली में बदलाव से बैंकों की बैलेंस शीट पर कोई असर नहीं पड़ेगा। शेट्टी ने एक सरल केवाईसी प्रणाली की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नीति निर्माताओं, फिनटेक कंपनियों और प्रौद्योगिकी डेवलपर्स सहित सभी हितधारकों को बेहतर समावेशन के लिए केवाईसी प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। इस साल की शुरुआत में, 12 जून को, भारतीय रिजर्व बैंक ने इस प्रक्रिया को अधिक फ्लेक्सिबल बनाने के लिए अपने केवाईसी नियमों में संशोधन किया था। नए दिशानिर्देश बिजनेस कॉरेस्पोंडेंट को ग्राहकों को केवाईसी अपडेट में मदद करने की अनुमति देते हैं और बैंकों को केवाईसी की समय-सीमा के बारे में पहले से रिमाइंडर भेजने की आवश्यकता होती है।

बिग बॉस 19 के घर में किचन ड्रामा, मालती चाहर ने रोटी बनाने के नाम पर शुरू किया वॉर

नई दिल्ली । वीकेंड के वार के बाद भी बिग बॉस 19 के घर का मौसम रुख बदल रहा है। मालती चाहर के आते ही घर में कोई ना कोई, किसी ना किसी से भिड़ रहा है। पहले मालती ने तान्या मित्तल की पोल खोली और उन्हें पूल में धक्का दिया, लेकिन अब वो घर के बाकी कंटेस्टेंट के साथ भी भिड़ गई हैं। मालती ने गौरव खन्ना, कुनिका सदानंद, और नेहल के साथ किचन में ही वार शुरू कर दिया है। कलर्स टीवी के शो बिग बॉस 19 का नया प्रोमो सामने आया है, जिसमें अकेले ही मालती किचन में खाना बनाने को लेकर घर वालों से भिड़ती दिख रही हैं। मालती को रोटी बनाने का काम दिया गया है, लेकिन उन्हें इस काम में किसी और की भी मदद चाहिए। मालती का कहना है कि वो अकेले रोटी बेल और सेंक नहीं सकती। प्रोमो में मालती किचन में छोटी-छोटी रोटी बनाती हैं और सेंकने के लिए किसी को बुलाती हैं, लेकिन कुनिका का कहना है कि ये काम अकेले ही करना होगा। मालती काम को अकेले करने से मना कर देती हैं, जिसके बाद गौरव रोटियों का साइज बड़ा रखने के लिए कहते हैं, लेकिन मालती गौरव को जवाब देते हुए कहती हैं कि आपको बोलने की जरूरत नहीं हैज्हम कर लेंगेज्या फिर आप खुद आकर लो।

बिहार विधानसभा चुनाव से पहले ही महागठबंधन में सत्ता की बंदरबांट

कांग्रेस तेजस्वी को सीएम फेस घोषित करने पर राजी नहीं, अब 3 डिप्टी सीएम का फॉर्मूला

नई दिल्ली, एजेंसी

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की घोषणा के बाद महागठबंधन सीट शेयरिंग में पेंच फंसता नजर आ रहा है। बाहर से जहां सभी नेता एकजुटता का प्रदर्शन कर रहे हैं, वहीं अंदर सीट बंटवारे खींचतान मची है। महागठबंधन के सभी दल तेजस्वी सीएम प्रोजेक्ट करने को तैयार हैं पर कांग्रेस सीएम फेस के साथ उतरने को राजी नहीं है। वहीं, सीटों के बंटवारे पर भी अभी सभी की सहमति नहीं बन पा रही है।

वीआईपी प्रमुख सहनी जहां 30 सीट और डिप्टी सीएम पर अड़े हुए हैं, वहीं माले भी 40 सीट की डिमांड कर रही है। सीट शेयरिंग के गुणा गणित के बीच कांग्रेस ने तीन डिप्टी का फॉर्मूला प्रपोज किया है। इनमें एक दलित, एक अति दलित और एक मुस्लिम चेहरा होगा। इस प्रपोजल के बाद से ही सीटों का बंटवारा फंस गया है और लगातार तीन दिन की मीटिंग के बाद भी कोई रिजल्ट नहीं निकल पाया है। पिछले तीन दिनों में ही हुई बैठक में किस पार्टी ने क्या दावा किया, क्यों पेंच फंसा है? कांग्रेस क्या चाहती है? माले की डिमांड क्या है और तेजस्वी क्यों फैसला नहीं ले पा रहे। बैठक के बाद वीआईपी सुप्रीमो मुकेश सहनी ने दावा किया कि सीट बंटवारे की प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है। हम ही सरकार बनाएंगे और हम ही डिप्टी सीएम होंगे। लेकिन कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम ने सहनी के बयान पर कहा कि ÷यह सब अंदर की बातें होती हैं, अभी किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। बीते एक सप्ताह में तेजस्वी यादव के आवास पर छह बैठक हुई।

इधर... लखनऊ में बोलीं पवन सिंह की पत्नी

मुझे गर्भनिरोधक दवाएं खिलाईं काराकाट से चुनाव लड़ने का ऐलान

लखनऊ भोजपुरी अभिनेता पवन सिंह का पारिवारिक विवाद तूल पकड़ता जा रहा है। पवन सिंह ने अपनी पत्नी ज्योति सिंह पर हमलों की बौछार की थी जिसके जवाब में ज्योति सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस पर पवन सिंह के हर सवाल का एक-एक कर जवाब दिया है। ज्योति सिंह ने कहा कि जो इंसान पार्टी में 15 साल से काम करते हुए खुद को टिकट नहीं दिला पाया, वो हमें क्या दिलाएंगे? इस दौरान ज्योति ने अपने पति पवन सिंह पर गर्भ निरोधक दवा खिलाने का भी गंभीर आरोप लगाया है। बताते चलें कि ज्योति सिंह आरजेडी के संपर्क में हैं, चुनाव लड़ने को लेकर पार्टी नेताओं से कई दौर की बैठक भी हो चुकी है। इस दौरान ज्योति सिंह ने पीएम मोदी, गृहमंत्री अमित शाह और सीएम योगी से भी सवाल करते हुए अपने लिए न्याय की गुहार लगाई है। ज्योति सिंह ने कहा कि पीएम मोदी की ओर से ऑपरेशन सिंदूर चलाया गया था, क्या मैं समाज की बेटी नहीं हूं? क्या मेरा सिंदूर मायने नहीं रखता है? मैं यूपी की बेटी हूं और बिहार की बहू हूं। हमारे सिंदूर का मान सम्मान रखा जाए। ज्योति सिंह ने बताया कि पवन सिंह की प्रताड़ना से उन्होंने एक बार 25 नींद की गोली खा ली थी। ज्योति ने आरोप लगाया कि पवन सिंह कहते थे कि अगर ज्यादा प्रताड़ित हो तो बालकनी से कूद जाओ। ज्योति सिंह ने यह भी कहा कि पवन सिंह के फैन आए दिन हमें धमकी देते हैं।

पिछले चुनाव के आंकड़े बढ़ा रहे भाजपा की चिंता

36 सीटों पर 3000 से कम का मार्जिन

नई दिल्ली। बिहार विधानसभा चुनाव के लिए बीजेपी हर सीट के लिहाज से अलग रणनीति बना रही है। बूथ के हिसाब से पार्टी कार्यकर्ताओं को मैन टू मैन मार्किंग करने यानी हर वोटर के संपर्क में कार्यकर्ता रहें, ये कहा गया है। पिछले विधानसभा चुनाव के आंकड़े बीजेपी की चिंता बढ़ा रहे हैं, क्योंकि कई कैंडिडेट मैदान में होने से पिछले विधानसभा चुनाव में 12 वोट के अंतर से भी जीत-हार तय हुई है। 36 सीटों पर मार्जिन तीन हजार से कम था। बीजेपी के एक नेता ने अनौपचारिक बातचीत में कहा कि हम सिर्फ ये सोचकर खुश नहीं हो जाते कि माहौल हमारे पक्ष में है और सरकार ने काम किया है तो वोट मिल जाएंगे। उन्होंने कहा कि हम मैन टू मैन मार्किंग पर भरोसा कर रहे हैं। यानी हर एक वोटर को अपने पक्ष में मतदान करने के लिए कहना है। उन्होंने कहा कि हमने अपने कार्यकर्ताओं से कहा है कि एक भी घर ना छूटे। पिछले चुनाव में 205 रजिस्टर्ड लेकिन गैरमान्यता प्राप्त पार्टी भी मैदान में बिहार के पिछले विधानसभा चुनाव में चार राष्ट्रीय पार्टियों के साथ, 4 राज्य पार्टी और चार दूसरे राज्यों की स्टेट पार्टी के साथ 205 रजिस्टर्ड लेकिन गैरमान्यता प्राप्त पार्टी भी चुनाव लड़ रही थी। बीजेपी के एक नेता ने कहा कि अगर डेटा देखें तो ये 205 पार्टियों ने 1 सीट से लेकर 150 सीटों तक में अपने उम्मीदवार उतारे थे। इनके 1510 कैंडिडेट थे।

बिहार में मतदाता कम होने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

अपील नहीं, फर्जी नेरेटिव गढ़ने की कोशिश: आयोग

नई दिल्ली, एजेंसी

कांग्रेस ने बिहार की मतदाता सूची में पारदर्शिता की कमी, 30 लाख मतदाता कम होने और डुप्लीकेट नामों पर सवाल उठाते हुए निर्वाचन आयोग से स्पष्ट जवाब और सुधार की मांग की है। हालांकि चुनाव आयोग ने इसे फर्जी नेरेटिव गढ़ने की कोशिश बताया है।

बिहार के मुख्य चुनाव आयोग की तरफ से जारी बयान में कहा गया है कि अब तक कोई अपील दायर नहीं की गई है, सिर्फ फर्जी नेरेटिव गढ़ने की कोशिश की जा रही है। कांग्रेस पार्टी ने आरोप लगाया है कि कई जिलों में मतदाता जोड़ने और हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी नहीं रही, जिससे निष्पक्ष चुनाव की संभावनाओं पर सवाल खड़े होते हैं। कांग्रेस का कहना है कि आम जनता को यह सुनिश्चित करने का अधिकार है कि वोटर लिस्ट पूरी तरह सही हो. चुनाव आयोग को इस मामले में स्पष्ट जवाब देने और सभी गड़बड़ियों को समय पर सुधारने की आवश्यकता है, ताकि आगामी चुनाव निष्पक्ष और भरोसेमंद तरीके से संपन्न हो सकें।

क्या आयोग कुछ छिपाना चाहता है?

कांग्रेस ने मांग की कि चुनाव केवल उसी अंतिम मतदाता सूची पर हों जो नामांकन की अंतिम तिथि से 10 दिन पहले तक तय की गई हो. राहुल गांधी लगातार मतदाता सूची की अनियमितताओं पर सवाल उठा रहे हैं. कांग्रेस ने कहा कि पारदर्शिता और जनता का भरोसा बहाल करने के लिए, इन सवालों के जवाब देने चाहिए।

गवर्नर की राष्ट्रपति को चिट्ठी पर मचा संग्राम

कुर्सी छिनने के डर से टीएमसी नेता देने लगे धमकी, फैसले का इंतजार

नई दिल्ली, दोपहर मेट्रो

पश्चिम बंगाल की राजनीति इन दिनों फिर से गरमाई हुई है। राज्य के गवर्नर सीवी आनंद बोस ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को डिटेल रिपोर्ट सौंपी है। कहा जा रहा है कि इसमें बंगाल के

हालात, कानून व्यवस्था का जिक्र किया गया है। इसके बाद से सियासी गलियारों में हलचल मची हुई है। तृणमूल कांग्रेस तो इतना घबरा गई है कि कल्याण बनर्जी सीधे गवर्नर को देख लेने की धमकी देने लगे। इसके बाद गर्वनर भी खुलकर सामने आ गए। उन्होंने कहा, 'सभी मामले तय किए जाएंगे। कांस्टीट्यूशनल विकल्प मौजूद हैं, कानूनी विकल्प भी मौजूद हैं। कोर्ट मौजूद है, सुप्रीम कोर्ट के फैसले भी हैं. इन सब बातों को ध्यान में रखकर निर्णय लिया जाएगा। मुझे भरोसा है कि उचित समय पर फैसला होगा।

गवर्नर आनंद बोस ने कहा, मैंने राष्ट्रपति को राज्य की वर्तमान स्थिति के बारे में बताया है। मैं अपनी संवैधानिक जिम्मेदारी के तहत राष्ट्रपति को स्थिति से अवगत कराना अपना कर्तव्य मानता हूं। राज्यपाल ने ममता सरकार को अल्टीमेटम दे डाला है कहा, सांसद खगेन मुर्मू के हमलावर तुरंत गिरफ्तार किए जाएं।

टीएमसी की देख लेने की धमकी

उनके बयान पर टीएमसी बौखला गई। तृणमूल कांग्रेस के सीनियर लीडर कल्याण बनर्जी ने गवर्नर पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, यह गवर्नर केंद्र सरकार का एजेंट है. अगर वे आर्टिकल 356 लागू करना चाहते हैं तो देख लेंगे। क्या राज्य सरकार केंद्र की नौकर है? इन्हें कौन बनाता है, मैं उनके स्तर को जानता हूं. राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि गवर्नर की राष्ट्रपति को लिखी गई चिट्ठी और उसके बाद की प्रतिक्रियाओं ने राज्य में संभावित संवैधानिक विकल्पों पर चर्चा को जन्म दिया है। हालांकि, अभी तक कोई औपचारिक कदम नहीं उठाया गया है।

स्टार्मर के साथ मीटिंग, पीएम बोले-शांति चाहता है भारत

मुंबई, एजेंसी

मुंबई। प्रधानमंत्री मोदी ने मुंबई में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्टार्मर के साथ जॉइंट प्रेस मीट में कहा, भारत शांति चाहता है। वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत और यूके के संबंध मजबूत हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने क्रिटिकल मिनरल्स पर सहयोग के लिए एक इंडस्ट्री गिल्ड और सप्लाई चेन ऑब्जर्वेटरी की स्थापना का निर्णय लिया है। इंडो-पैसिफिक, वेस्ट-एशिया में शांति और स्थिरता, और यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर भी विचार साझा किए। यूक्रेन कॉन्फ्लिक्ट और गाजा के मुद्दे पर, भारत डायलॉग और डिप्लोमेसी से शांति की बहाली के सभी प्रयासों का समर्थन करता है। हम इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग बढ़ाने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, भारत और यूके नेचुरल पार्टनर्स हैं। हमारे संबंधों की नींव में डेमोक्रेसी, फ्रीडम और रूल ऑफ लॉ जैसे मूल्यों में साझा विश्वास है। मौजूदा वैश्विक अस्थिरता के दौर में भारत और यूके के बीच बढ़ती साझेदारी, वैश्विक स्थिरता और आर्थिक प्रगति का एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पोस्ट के जरिए कहा, भारत-यूके आर्थिक साझेदारी एक नए दौर में प्रवेश कर चुकी है! संयुक्त आर्थिक और व्यापार समिति को नए सिरे से स्थापित करने के लिए टर्म ऑफ रिफॉर्म पर हस्ताक्षर होने की घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है।

मायावती का ऐलान

यूपी में 5वीं बार बनेगी बसपा की सरकार

लखनऊ, एजेंसी

बहुजन समाज पार्टी के संस्थापक कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर आज लखनऊ स्थित कांशीराम स्थल पर महारैली में देशभर से तकरीबन लाखों लोगों के पहुंचने की बात सामने आई है। मायावती ने कहा कि इस रैली में अन्य दलों की तरह पैसे देकर लोग नहीं बुलाए गए हैं, बल्कि अपनी खून-पसीने की कमाई खर्च कर आए हैं। इस रैली ने

यहां पर हुई पहले सभी रैलियों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। इससे लगता है कि 2027 में यूपी में एक बार फिर पूर्ण बहुमत से बसपा की सरकार बनेगी। उन्होंने वादा किया कि वह कोई कसर नहीं छोड़ेंगी। मायावती ने कहा कि बसपा सरकार में कांशीराम के सम्मान में स्मारक स्थल बनाया गया था। उन्होंने योगी सरकार का भी आभार जताया और कहा कि स्मारक के देखने आने वालों की टिकट से आया पैसा इस सरकार ने सपा की सरकार की तरह टिकट का पैसा दबाकर नहीं रखा। भाजपा सरकार ने ऐसा नहीं किया बल्कि स्मारक के रखरखाव के लिए खर्च किया।

मायावती ने कहा कि जातिवादी दल संविधान को बदलने की कोशिश करते रहते हैं, लेकिन हम ऐसा नहीं करने देंगे। भले ही इसके लिए कितना भी संघर्ष करना पड़े। बसपा ही एक ऐसी पार्टी है जो बाबा साहेब के संविधान को सुरक्षित रख सकती है। उन्होंने कहा कि बसपा समर्थकों को बूथ स्तर पर छोटी-छोटी सभाएं कर बसपा के यूपी में चार बार रहे शासनकाल की उपलब्धियों को बताना है। मायावती ने कहा कि यूपी में गठबंधन करने पर बसपा का वोट तो सहयोगी दलों को मिल जाता है पर बसपा को उनका वोट नहीं मिलता है। इसलिए बसपा ने 2027 में भी अकेले चुनाव लड़ने का फैसला लिया है।

1 करोड़ की विदेशी सिगरेट के साथ पकड़ा तस्कर

गोरखपुर, एजेंसी

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआइ) ने गोरखपुर-लखनऊ हाइवे पर कालेसर के पास से बुधवार को एक करोड़ कीमत की विदेशी सिगरेट के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। कोरिया में बनी सिगरेट म्यांमार से गुवाहाटी लाई गई थी। जहां से इसे दिल्ली के बड़े कारोबारी के पास ले जाया जा रहा था। गाड़ी की चेकिंग हुई तो बड़ी मात्रा में विदेशी सिगरेट पकड़ी गई। इसे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के व्यक्ति लेकर जा रहा था। संदिग्ध गतिविधि देखकर डीआरआइ की टीम ने उसे गिरफ्तार कर लिया। उससे पूछताछ की जा रही है।

विदेशी सिगरेट की दिल्ली समेत अन्य महानगरों में काफी अधिक मांग है। पिछले कुछ महीनों में दिल्ली ले जाई जा रही सिगरेट की पकड़ी गई है। फरवरी महीने में भी कुशीनगर-गोरखपुर फोरलेन पर जगदीशपुर के पास गुवाहाटी से तस्करी कर दिल्ली जा रही सिगरेट की बड़ी खेप पकड़ी गई थी। एक बांस लदे ट्रक में 10 हजार पैकेट कोरिया निर्मित सिगरेट को छिपाया गया था। जिसकी कीमत करीब डेढ़ करोड़ रुपये आंकी गई थी। गिरफ्तार दोनों आरोपी पश्चिमी यूपी के थे।

तेजस्वी का ऐलान-हर घर में देंगे 1 सरकारी नौकरी

पटना, एजेंसी

राष्ट्रीय जनता दल के नेता और बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार चुनाव नामांकन के एक दिन पहले बड़ा ऐलान कर दिया है। तेजस्वी ने कहा कि कुछ लोग बेरोजगारी भत्ता देने की बात कर रहे हैं, नौकरी देने की बात नहीं। अब बिहार में बदलाव होगा। आज हम आपके बीच क्रांतिकारी घोषणा करने जा रहे हैं। यह हमारी पहली घोषणा है अंतिम नहीं है ,इसके बाद हम अपना विजन आपके सामने रखेंगे। उन्होंने कहा कि बिहार में जितने भी ऐसे परिवार हैं जिनके घर में सरकारी नौकरी नहीं है वहां हम सरकार में आने के बाद बीस दिनों के अंदर अधिनियम लाएंगे और बिहार के हर परिवार को सरकारी नौकरी देंगे। उन्होंने कहा कि अब हमसे पूछा जाएगा कि हम यह कैसे करेंगे। तो हम बता दें कि हम इसे साइंटफिक तरीके से करेंगे और हमारे पर सभी चीजों का आंकड़ा है।

गरबा में पत्थर बरसाने वालों पर एक्शन, 190 दुकानों पर चला बुलडोजर

गांधीनगर, दोपहर मेट्रो

गुजरात की राजधानी गांधी के बहियाल में गरबा के दौरान पथराव, पुलिस पर हमला और दुकानों में आगजनी की गंभीर घटनाओं के बाद प्रशासन ने एक्शन लिया है। प्रशासन ने पूरे इलाके के लगभग 190 अवैध दुकानों पर बुलडोजर से तोड़ दिया है। इन सभी को दो दिनों के भीतर निर्माण संबंधी साक्ष्य प्रस्तुत करने का नोटिस जारी किया था। इसकी समय सीमा बुधवार शाम को समाप्त हो गई।

गांधीनगर के एसपी रवि तेजा वासमशेट्टी ने बताया, कुल 186 व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। तोड़फोड़ अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए एसडीएम, पंचायत अधिकारी और 300 पुलिसकर्मी मौजूद हैं। हमने कुछ दिन पहले हुई पथराव की घटना में शामिल लोगों की व्यावसायिक संपत्तियों की पहचान कर ली है और आज उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

मेट्रो एंकर झालावाड़ स्कूल हादसे को लेकर लगातार अनशन जारी

बागी नरेश मीणा के आंदोलन में धुर विरोधी गहलोत और सचिन पायलट की बढ़ती दिलचस्पी सुर्खियों में

जयपुर, दोपहर मेट्रो

झालावाड़ स्कूल हादसे को लेकर आंदोलन के चलते नरेश मीणा सियासत की सुर्खियों में हैं। एसएमएस हॉस्पिटल में भर्ती होने के बाद भी नरेश मीणा का अनशन जारी है। इधर, कांग्रेस के नेताओं के नरेश मीना से मुलाकातों के चलते सियासी पारे में काफी हलचल मची हुई है। चर्चा हो रही है कि आखिर कांग्रेस के नेता नरेश मीणा को लेकर अचानक क्यों दिलचस्पी दिखाने लगे हैं? पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बाद अब कांग्रेस के दिग्गज नेता सचिन पायलट ने भी नरेश मीणा से फोन पर बातचीत कर हाल-चाल जाने हैं। इधर, पायलट की नरेश से बात के बाद कई तरह के राजनीतिक कयास भी शुरू हो गए हैं।

दरअसल, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सोमवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट कर नरेश मीणा से अनशन समाप्त करने की अपील की थी। इसको लेकर सियासत में काफी हलचल है। इधर, मंगलवार को कांग्रेस के दिग्गज और टोंक विधायक सचिन पायलट ने भी नरेश मीणा से

फोन पर वार्ता की है। इस दौरान उन्होंने नरेश मीणा से स्वास्थ्य को लेकर वार्ता की। साथ ही झालावाड़ हादसे पर भी चर्चा की। पायलट ने कहा कि राज्य सरकार को इस मामले में गंभीरता दिखानी चाहिए और मृत बच्चों के परिजनों की वाजिब मांगों पर संज्ञान लेना चाहिए।

पिछले साल देवली उनियारा विधानसभा के उपचुनाव में कांग्रेस से बागी होकर नरेश मीणा ने चुनाव लड़ा था, जहां बहु चर्चित थप्पड़ कांड हुआ। इसके बाद कांग्रेस ने नरेश मीणा से किनारा करते हुए उसे पार्टी से निष्कासित कर दिया था, तब से कांग्रेस नरेश मीणा से दूरी बनाए हुए थी। इधर, झालावाड़ स्कूल हादसे के आंदोलन के चलते अब कांग्रेस के बागी नेता नरेश मीणा से मुलाकात करने लगे हैं। इससे पहले केवल एक मात्र कांग्रेसी नेता प्रहलाद गुंजल ही नरेश मीणा का साथ देते रहे थे।

भरतपुर सांसद संजना भी नरेश मीणा से मुलाकात करने पहुंची

अब अस्पताल में भर्ती होने के बाद सबसे पहले पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास पहुंचे। इसके बाद प्रियंका गांधी और सचिन पायलट की खास माने जाने वाली भरतपुर सांसद संजना जाटव भी नरेश मीणा से मुलाकात करने पहुंची । उल्लेखनीय है कि संजना जाटव के नरेश मीणा से मुलाकात करने के बाद सचिन पायलट के एक बड़े समर्थक और पूर्व कैबिनेट मंत्री विश्वेंद्र सिंह के बेटे अनिरुद्ध और अन्य नेताओं ने उन पर सवाल भी उठा दिया था। बागी नरेश मीणा से संजना की मुलाकात पर अनिरुद्ध ने यह तक कह दिया था कि संजना जाटव को फोटो खिंचवाने का मौका नहीं छोड़ती है, लिहाजा वो नरेश मीणा से मिलने गई हैं। हालांकि अनिरुद्ध के बयान का संजना जाटव ने यह कहकर पलटवार किया था कि पार्टी अपनी जगह है और इंसानियत अपनी जगह।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564